@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 114 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुए अनिल अंबानी

● इससे एक दिन पहले ईडी ने धनशोधन रोधी कानून के तहत अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास 'एबोड' को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया था।

● इसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपये बताई गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति एवं रिलायंस समूह के चेयरमैन 66 वर्षीय अनिल अंबानी कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अनिल अंबानी सुबह करीब साढ़े 10 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। ईडी ने उन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत एक जांच के सिलसिले में नई दिल्ली स्थित अपने हेडक्वार्टर में आज पेश होने के लिए बुलाया था। इससे पहले उनसे अगस्त, 2025 में पूछताछ की गई थी। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि अनिल अंबानी का बयान धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जाएगा। यह जांच उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) में कथित रूप से 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है।

आज से भगवान जगन्नाथ हो गए हैं जमशेदपुर बिहारी : राष्ट्रपति

भगवान जगन्नाथ जल्दी नहीं आते, उनके आने का करना पड़ता है इंतजार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

जमशेदपुर। 'श्री श्री जगन्नाथ मंदिर की जमशेदपुर में स्थापना का यह सही समय है। भगवान जगन्नाथ जल्दी नहीं आते, उनके आने का इंतजार करना पड़ता है। 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं।' यह बातें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कदमा स्थित मरीन ड्राइव में श्री श्री जगन्नाथ मंदिर एवं जगन्नाथ आध्यात्मिक धर्मार्थ केंद्र की आधारशिला रखने के अवसर पर कहीं। भूमि पूजन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भावनात्मक अंदाज में कहा कि अब भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर में विराजमान होने जा रहे हैं और 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं।'राष्ट्रपति ने रांची में स्थापित जगन्नाथ मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मंदिर बनने के बाद भगवान 'निड़ाचढ़ बिहारी' कहलाए और अब झारखंड में व्यापक रूप से पूजे जा रहे हैं। जमशेदपुर में मंदिर निर्माण के साथ उनकी कृपा इस शहर पर भी बरसेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आध्यात्मिक एवं धर्मार्थ केंद्र न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा,बल्कि समाज सेवा और सांस्कृतिक चेतना का भी महत्वपूर्ण स्थल सिद्ध होगा। इसके पूर्व कदमा मरीन ड्राइव स्थित कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पहुंचते ही पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ और मंदिर निर्माण की औपचारिक शुरुआत की।

● भगवान जगन्नाथ का आगमन प्रतीक्षा और भक्ति का प्रतीक

अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सर्वसुलभ और सर्वप्रिय भगवान हैं, जिनकी लोकप्रियता पूरे विश्व में है। उन्होंने रथ यात्रा की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि जब रथ यात्रा निकलती है तो भगवान भक्तों के बीच झूला झूलते, गान और उत्सव के साथ पहुंचते हैं। उनका आगमन प्रतीक्षा और भक्ति का प्रतीक है।

इस अवसर पर मौजूद रहे

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और उनकी पत्नी, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक सरयू राय सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

उत्तर बंगाल में फिर भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6

एजेंसी

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी सहित उत्तर बंगाल के कई इलाकों में गुरुवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोपहर से पहले आए इस कंपन से सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के विस्तृत क्षेत्रों में दहशत फैल गई। झटकों का असर कोलकाता तक महसूस किया गया, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। मौसम विभाग के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 दर्ज की गई। इसका केंद्र सिक्किम में था और झटके सुबह 11 बजकर 34 मिनट पर महसूस किए गए। पर्यटन सीजन होने के कारण दार्जिलिंग और सिक्किम के पहाड़ी इलाकों में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद है। अचानक आए झटकों के बाद कई लोग एहतियातन होटल से बाहर निकल आए। हाल ही में सिक्किम के राबांगला से करीब 8 किलोमीटर दक्षिण में लगातार कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस घटना की दहशत अभी कम भी नहीं हुई थी कि गुरुवार को फिर 4.6 तीव्रता के भूकंप ने लोगों की चिंता बढ़ा दी। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन और मौसम विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उत्तर बंगाल के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

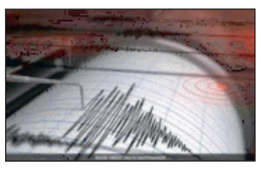

'घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना एक बड़ी चुनौती'

● अमित शाह ने करोड़ों की लागत से बने भवन का लोकार्पण किया

एजेंसी

अररिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय सीमांचल के दौरे पर हैं। गृह मंत्री किशनगंज के बाद दौरे के दूसरे दिन अररिया के सिकटी प्रखंड में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 52 वीं बटालियन के लेटी स्थित बॉर्डर आउट पोस्ट पहुंचे। जहां करोड़ों की लागत से बने भवन का लोकार्पण किया। मौके पर गृह मंत्री ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के दस किलोमीटर की परिधि में अवैध अतिक्रमण और घुसपैठियों पर निशाना साधा। उन्होंने ऐलान किया कि सीमा से दस किमी के अंदर तक के अवैध अतिक्रमण को खत्म कर घुसपैठियों को देश से बाहर किया जायेगा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त किया कि एक एक घुसपैठियों को बाहर निकालने को लेकर वे दृढ़ संकल्पित हैं।घुसपैठियों को बाहर निकालने के बाद ही वे वोट मांगेंगे। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना एक बड़ी चुनौती है। केन्द्र-राज्य सरकार के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों के तालमेल से कार्य योजना तैयार कर उसे मूर्तरूप प्रदान करने के काम करेंगे। उन्होंने सीमा सुरक्षा प्रबंधन के तहत सीमा से दस किलोमीटर के अंदर के अवैध अतिक्रमण को हटाने को पहली प्राथमिकता करार दिया। उन्होंने घुसपैठियों के कारण हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव को देश की संस्कृति और डेमोग्राफी के लिए चिंता का विषय बताया। अमित शाह ने कहा कि जनसंख्यायिकी परिवर्तन पर उच्च स्तरीय समिति बनाकर सीमांत क्षेत्र, बल्कि पूरे देश की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने स्वीकार किया कि सबसे अधिक जनसांख्यिकी बदलाव पश्चिम बंगाल के साथ बिहार और झारखंड में हुआ है।उन्होंने कहा कि इसकी रोकथाम के लिए सीमा सुरक्षा के तहत अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कंटीले तार और बाड लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा के दौरान जो हमने वादा किया था कि सीमांचल से घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे, उसके हर हाल में पूरा करेंगे।

● गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाने और घुसपैठियों को बाहर निकालने की भरी हुंकार

भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में बंकिमचंद्र के परिजन सुमित्र चट्टोपाध्याय भाजपा में शामिल

● सुमित्र चट्टोपाध्याय ने राज्य सरकार की रोजगार नीति पर गंभीर सवाल उठाए

एजेंसी

कोलकाता। सॉल्टलेक स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में गुरुवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण पत्रकार सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार के सदस्य एवं श्रम विभाग के पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी सुमित्र चट्टोपाध्याय ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य तथा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में स्वागत किया गया। पार्टी में शामिल होने के बाद सुमित्र चट्टोपाध्याय ने राज्य सरकार की रोजगार नीति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार विनिमय से जुड़े लाखों युवाओं का डाटा एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से हटा दिया गया और उसके स्थान पर 'एम्प्लॉयमेंट बैंक' का गठन किया गया, जिसमें लगभग 40 लाख युवक पंजीकृत थे। बाद में 'युवश्री' योजना शुरू की गई, जिसे बंद कर दिया गया। वर्तमान में 'युवा साथी' योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को प्रतिदिन मात्र 50 रुपये की सहायता दी जा रही है, जो वास्तविक रोजगार की आवश्यकता को पूरा करने में असमर्थ है।

बीसीडी चुनाव की गिनती टाली गई

● 26 फरवरी की जगह अब 7 मार्च से शुरू होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली (बीसीडी) के लिए डाले गए वोटों की गणना अब 7 मार्च से होगी। पहले मतगणना शुक्रवार से शुरु होनी थी। निर्वाचन अधिकारी सेवानिवृत जस्टिस तलवंत सिंह ने आज इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया।

नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 221 उम्मीदवारों की वजह से बैलट पेपर का साइज काफी बड़ा है। इस वजह से पहले से आवंटित स्थान पर मतगणना करवाने में काफी मुश्किल होगी। पहले उच्च न्यायालय के एक्सटेंशन ब्लॉक में मतगणना का स्थान तय किया गया था। नोटिफिकेशन के मुताबिक निर्वाचन अधिकारी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय से मतगणना के लिए बड़ी जगह उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। उसके बाद चीफ जस्टिस ने दिल्ली उच्च न्यायालय के एस ब्लॉक लाऊंज की जगह देने की अनुमति दे दी। अब एस ब्लॉक के सातवीं मंजिल पर मतगणना होगी और छठी मंजिल पर उम्मीदवार या उनके मतगणना एजेंट स्क्रीन पर मतगणना की कार्यवाही देख सकेंगे।

बीसीडी का तीन दिवसीय चुनाव 23 फरवरी को समाप्त हुआ था। इस चुनाव में करीब 57 हजार से ज्यादा वकीलों ने अपना मतदान किया।

मतदान के दौरान निर्वाचन अधिकारी ने 79 उम्मीदवारों को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया था। बाद में इन 79 उम्मीदवारों ने अपील दायर की, जिसे मंजूर करते हुए उनका निलंबन वापस लिया गया।

● इस चुनाव के जरिये 25 सदस्यीय बीसीडी के 23 सदस्यों का चुनाव होना है। इस चुनाव में कुल 221 उम्मीदवार मैदान में हैं।

● इस चुनाव में पहली बार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिला उम्मीदवारों को 30 फीसदी आरक्षण मिला है।

डिजिटल क्लासरूम पंजाब शिक्षा क्रांति के प्रणालीगत सुधार का आधार हैं: हरजोत सिंह बैंस

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 26 फरवरी। पंजाब के शैक्षिक इतिहास में सबसे बड़े तकनीकी सुधारों में से एक की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत 400 करोड़ रुपये के व्यापक डिजिटलीकरण प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार द्वारा एक अभूतपूर्व परिवर्तन की शुरुआत की गई है, जो सरकारी स्कूलों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ-साथ पूरे राज्य में कक्षा शिक्षण को मूल रूप से नया स्वरूप प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस पहल को पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा, यह एक ऐतिहासिक पहल है। पंजाब के सरकारी स्कूलों के इतिहास में पहले कभी भी इतने बड़े स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रस्तुत नहीं किया गया। पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत हमने पहले कक्षाओं को मजबूत किया और सीखने के परिणामों में सुधार किया। अब हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे की आधुनिक डिजिटल साधनों तक आसान पहुंच हो। हमारे विद्यार्थियों को केवल आज के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी तैयार होना चाहिए। यहां पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस पहल के तहत पुराने हार्डवेयर और कंप्यूटरों को बदला जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हाई स्कूल और मिडिल स्कूल नवीनतम डिजिटल बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हों। इस ऐतिहासिक पहल के बारे में जानकारी साझा करते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 5,012 सरकारी स्कूलों को नवीनतम सॉफ्टवेयर से लैस 38,649 नए कंप्यूटर प्रदान किए जा रहे हैं। ये कंप्यूटर सभी सीनियर सेकेंडरी और हाई स्कूलों के साथ-साथ 50 प्रतिशत मिडिल स्कूलों को दिए जाएंगे। **शेष पृष्ठ 3 पर**

उपराष्ट्रपति ने श्रीनगर में डल झील पर शिकारा की सवारी का लिया आनंद

इस अनुभव को श्रीनगर के शाश्वत आकर्षण और प्राकृतिक सुंदरता की झलक बताया

एजेंसी

श्रीनगर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रतिष्ठित डल झील पर शिकारे की सवारी का आनंद लिया और इस अनुभव को श्रीनगर के शाश्वत आकर्षण और प्राकृतिक सुंदरता की झलक बताया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन कश्मीर घाटी की अपनी पहली यात्रा पर बुधवार शाम यहां पहुंचे। उनका गुरुवार शाम को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने का कार्यक्रम है। उपराष्ट्रपति ने आज डल झील पर सुबह की यात्रा के दौरान श्रीनगर के शाश्वत आकर्षण, प्राचीन जल और लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में हो रहे परिवर्तनकारी बदलावों, विशेषकर बुनियादी ढांचे के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी से बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि मैं इको-पर्यटन को बढ़ावा देने, प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने और स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा करने में प्रशासन के प्रयासों की सराहना करता हूं।

केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज़ पर 15 दिन की रोक

● आज नहीं आएगी फिल्म

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल हाई कोर्ट ने विवादित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' की रिलीज़ पर फिलहाल 15 दिनों की अंतरिम रोक लगा दी है, जिससे फिल्म तय तारीख पर सिनेमाघरों में नहीं आ पाएगी। केरल हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान फिल्म के निर्माताओं को बड़ा झटका लगा। अदालत ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों पर दो हफ्तों के भीतर विचार कर फैसला दे। फिल्म के खिलाफ दायर तीन याचिकाओं में सेंसर सर्टिफिकेट रद्द करने और रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड राज्य की छवि को गलत तरीके से पेश करती है और इससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस कुरियोन थोमस की एकल पीठ ने prima facie टिप्पणी की कि फिल्म को प्रमाणपत्र देते समय CBFC ने पर्याप्त सावधानी नहीं बरती। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक CBFC याचिकाकर्ताओं की रिवीजन याचिका पर नया आदेश जारी नहीं करता।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कंटेंट क्रिएटर्स के साथ निष्पक्ष रूप से रेवेन्यू साझा करें: अश्विनी वैष्णव

● इसमें पत्रकार, पारंपरिक मीडिया संस्थान, इन्फ्लुएंसर, प्रोफेसर और शोधकर्ता शामिल हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कंटेंट बनाने वालों के साथ राजस्व (कमाई) का निष्पक्ष बंटवारा करना चाहिए। इसमें पत्रकार, पारंपरिक मीडिया संस्थान, इन्फ्लुएंसर, प्रोफेसर और शोधकर्ता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कंटेंट बना रहे हैं, चाहे वे समाचार पेशेवर हों, दूर-दराज के इलाकों में बैठे क्रिएटर्स हों या अपने शोध साझा करने वाले अकादमिक विशेषज्ञ, वे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाली कमाई में उचित हिस्सेदारी के हकदार हैं। उनके अनुसार, अब पूरे डिजिटल इकोसिस्टम में निष्पक्ष राजस्व साझेदारी का सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कंटेंट बनाने वाले लोगों के साथ निष्पक्ष तरीके से राजस्व साझा करना चाहिए, चाहे वे न्यूज पर्सन हों, पारंपरिक मीडिया, दूर-दराज के क्रिएटर्स, इन्फ्लुएंसर, प्रोफेसर या शोधकर्ता हों जो प्लेटफॉर्म का उपयोग कर अपने काम का प्रसार कर रहे हैं। ' उन्होंने जोर दिया कि प्लेटफॉर्म को व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा अपलोड किए गए कंटेंट से बड़ा लाभ मिलता है, इसलिए क्रिएटर्स को भी उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वितरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने से भारत की डिजिटल कंटेंट अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार के बारे में भारत का विजन 'इस समझ पर आधारित है कि किसी भी इलाके की असुरक्षा या किसी भी समूह का अलग-थलग होना, आखिरकार सभी के अधिकारों और भलाई को कमजोर करता है। '

झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्ठा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

-हैदराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद एनसीईआरटी ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक विवादास्पद अध्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की भारी नाराजगी के बाद बिना शर्त माफी मांग ली है। शीर्ष अदालत द्वारा इस सामग्री को बेहद परेशान करने वाला और संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला करार दिए जाने के बाद परिषद पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और निर्णय की त्रुटि अनजाने में शामिल हो गई थी, जिसे अब उपयुक्त अधिकारियों के परामर्श से पूरी तरह से फिर से लिखा जाएगा। इस विवाद के बीच परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से इस पुस्तक को हटा दिया है और इसकी प्रतियों का वितरण भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले का जन्म तब हुआ जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, ने पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर स्वतः संज्ञान लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता की रक्षा करें। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए यहाँ तक कहा कि यह प्रकरण एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, जिससे न केवल बार बल्कि बेंच के सदस्य भी अत्यंत चिंतित हैं। जस्टिस बागची ने इसे और अधिक गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री विद्यार्थियों के मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करती है, जो सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कक्षा आठ के इस अध्याय में समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा के दौरान न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील उपविषय को शामिल किया गया था। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे की कमी और लंबित मामलों की चुनौतियों का भी जिक्र था, लेकिन प्रस्तुतीकरण के तरीके को अदालत ने अपमानजनक माना। विवाद बढ़ता देख एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी भी संवैधानिक संस्था के अधिकार क्षेत्र को कमतर करने का कभी नहीं था। परिषद ने दोहराया कि वह न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में सर्वोच्च सम्मान देती है। अब इस सामग्री में सुधार किया जाएगा और संशोधित पाठ्यपुस्तक को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल, पुराने स्टॉक को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

-इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

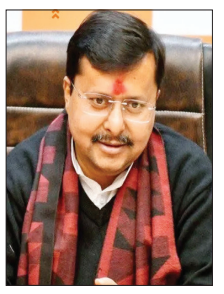

सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने

की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1:36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा: ओवैसी और कांग्रेस ने नीतिगत बदलाव को बताया विश्वासघात

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान इजरायल यात्रा को लेकर देश के भीतर राजनीतिक पारा गरमा गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस दौरे पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे भारत की पारंपरिक विदेश नीति के साथ विश्वासघात करार दिया है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार के इस कदम की कठोर आलोचना की है। ओवैसी ने इजरायली नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए उन्हें युद्ध अपराधी बताया, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरफ्तारी वारंट की चर्चा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समय में इजरायल जाकर वहां के नेतृत्व के साथ गर्मजोशी दिखाना भारत द्वारा दशकों से फिलिस्तीनी अधिकारों के प्रति दिए जा रहे सैद्धांतिक और ऐतिहासिक समर्थन के विरुद्ध है। ओवैसी ने मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक समीकरणों पर गंभीर आशंका जताते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन जायोनिज्म मुर्दाबाद के नारे के साथ करते हुए इजरायल की राजनीतिक विचारधारा के प्रति अपना कड़ा विरोध स्पष्ट किया।

सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस दौरे को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की इस यात्रा को नैतिकता के विरोध में बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत के ऐतिहासिक रुख की याद दिलाते हुए कहा कि 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल की भारतीय टुकड़ी से मुलाकात की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है, चाहे वह 1981 में स्मारक डाक टिकट जारी करना हो या 1988 में औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देना। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करते समय गाजा में मारे गए हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास हमेशा सत्य, शांति और न्याय के साथ खड़े होने का रहा है और हमें दुनिया को यही रोशनी दिखानी चाहिए।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री अपनी इस दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान इजरायल के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा द्वारा किए गए भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर इजरायल के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के

प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। उन्होंने वैश्विक मंच से आह्वान किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह वैश्विक शांति के लिए खतरा है और इसका मुकाबला करने के लिए दोहरे मापदंड छोड़कर समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। जहां सरकार इस दौरे को कूटनीतिक सफलता के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे भारत की गुटनिरपेक्ष और फिलिस्तीन समर्थक छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कदम मान रहा है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

-आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

दिल्ली में चलाती थी ब्यूटी पार्लर; बॉयफ्रेंड गैंगस्टर बॉबी कबूतर संग करती थी ये काम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अपराध की दुनिया में अब पुरुषों का ही वर्चस्व नहीं रहा। महिलाएं भी लेडी डॉन के रूप में तेजी से इस क्षेत्र में अपनी पैठ बना रही हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (काउंटर इंटेलिजेंस) ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट) ने सात साल से फरार चल रहे बॉबी कबूतर को उसकी गर्लफ्रेंड के साथ पकड़ा है। गर्लफ्रेंड की पहचान कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सक्रिय सदस्य खुशनुमा अंसारी उर्फ नेहा के रूप में हुई है। गैंग में मैडम जहर के नाम से जानी जाने वाली नेहा की गिरफ्तारी ने अंडरवर्ल्ड के महिला शक्ति के बढ़ते प्रभाव को एक बार फिर उजागर किया है। जांच में सामने आया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में एक ब्यूटी पार्लर चलाने वाली खुशनुमा अंसारी उर्फ नेहा, असल में लॉरेंस बिश्नोई और हाशिम बाबा गैंग के लिए ड्रग्स सिंडिकेट और हथियारों की सप्लाई का जिम्मा भी संभाल रही थी। पुलिस ने उसे महिपालपुर फ्लाईओवर के पास से ड्रग्स की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। खुशनुमा अंसारी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों और हथियार सप्लायर बॉबी कबूतर उर्फ महफूज की गर्लफ्रेंड है। इन दोनों का रिश्ता पिछले सात वर्षों से चला आ रहा है। बॉबी कबूतर ने ही पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले रेकी की थी। इसके अलावा आरोपियों को गायक के रूट व मूवमेंट की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई थी। महफूज उर्फ बॉबी कबूतर गर्लफ्रेंड के चक्कर में पुलिस के हत्थे चढ़ गया। वह सात वर्षों में पहली बार पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके से बाहर निकला था। गर्लफ्रेंड नेहा उससे बार-बार शॉपिंग कराने की जिद कर रही थी। गुरुग्राम से जब वह दिल्ली लौट रहा था तो सीआई ने बीच में ही उसकी गाड़ी को रोका और चारों को गिरफ्तार किया। स्पेशल सेल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसकी गर्लफ्रेंड सीलमपुर इलाके की है और पेशे से ब्यूटीशियन है। महफूज उर्फ बॉबी कबूतर नेहा को दिल्ली के मॉल में इसलिए नहीं ले गया कि कोई उसे पहचान लेगा। ऐसे में वह गुरुग्राम के एक मॉल में शॉपिंग करने गया था। मॉल में उसने जूते आदि देखे, मगर उसे ज्यादा सामान पसंद नहीं आया।

डिजिटल क्लासरूम पंजाब शिक्षा क्रांति के प्रणालीगत सुधार का आधार हैं: हरजोत सिंह बैंस

प्रथम पृष्ठ का शेष

ताकि विद्यार्थियों को नवीनतम हार्डवेयर और तकनीक तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि 5,000 सरकारी स्कूलों में समर्पित कंप्यूटर लैब स्थापित की जाएंगी, ताकि सभी सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी सरकारी स्कूलों में पूर्ण रूप से कार्यशील कंप्यूटर लैब सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा, इंटरएक्टिव लर्निंग को प्रोत्साहित करने के लिए हम 3,694 स्कूलों में 8,268 इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल स्थापित कर रहे हैं। प्रत्येक सीनियर सेकेंडरी और हाई स्कूल को ये पैनल दिए जाएंगे। विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर बड़े स्कूलों को चार, पांच या आठ यूनिट प्रदान किए जाएंगे। तकनीक में किए गए इस बड़े निवेश से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डिजिटल साक्षरता और स्मार्ट लर्निंग अब केवल निजी स्कूलों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि पंजाब के सरकारी स्कूलों में हर विद्यार्थी का बुनियादी अधिकार होंगी। इस कदम को पारंपरिक चॉकबोर्ड से तकनीक आधारित स्मार्ट कक्षाओं की ओर एक निर्णायक बदलाव बताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, इस पहल के तहत पुराने कंप्यूटरों को बदला जाएगा। लंबे समय से हमारे विद्यार्थी पुराने कंप्यूटरों पर काम कर रहे थे, जो बहुत धीमे चलते थे और अभी भी माइक्रोसॉफ्ट पेंट के पुराने संस्करणों पर चल रहे थे। हम इसे स्थायी रूप से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में क्रियान्वयन पहले ही शुरू हो चुका है और यह कोई भविष्य का वादा नहीं है। उन्होंने कहा, यह केवल भविष्य की घोषणा नहीं है; आज से ही स्कूलों में कंप्यूटरों की डिलीवरी शुरू हो चुकी है। 20 मार्च तक पंजाब के हर जिले के प्रत्येक स्कूल को अपने नए उपकरण मिल जाएंगे। श्री हरजोत सिंह बैंस ने दोहराया कि बड़े पैमाने पर किया जा रहा यह परिवर्तन शिक्षा पद्धति में एक संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने कहा, इंटरएक्टिव फ्लैट पैनलों और कंप्यूटरों का यह व्यापक बदलाव अहम भूमिका निभाएगा। यह मूल रूप से पढ़ाने, समझने और सीखने के अनुभव को बदल देगा। पंजाब शिक्षा क्रांति प्रणालीगत सुधार के बारे में है और डिजिटल कक्षाएं इसका एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि स्कूल प्रमुखों को 21 फरवरी से 20 मार्च तक स्कूल स्तर पर अनबॉक्सिंग सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समितियों, पंचायतों, सेवानिवृत्त शिक्षकों और पूर्व सैनिकों को इस नए डिजिटल युग की शुरुआत के साक्षी बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि पूरा समुदाय सरकारी शिक्षा प्रणाली में हो रहे इस महत्वपूर्ण बदलाव का अनुभव करे। अक्सर लोग सरकारी स्कूलों को बाहर से देखते हैं और अंदर हो रहे परिवर्तनों से अनजान रहते हैं। अभिभावकों को यह देखने दीजिए कि उनके बच्चे अपने क्षेत्र के निजी स्कूलों से भी बेहतर नवीनतम तकनीक के साथ शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इससे हमारी सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में उनका विश्वास और मजबूत होगा। टीईटी से संबंधित योग्यताओं पर मीडिया के प्रश्न का उत्तर देते हुए हरजोत सिंह बैंस ने कहा, मैं प्रत्येक शिक्षक को आश्वस्त करना चाहता हूं। आपकी नौकरियां सुरक्षित हैं। कोई भी अपनी नौकरी नहीं खोएगा। उन्होंने कहा कि वे 20 से 25 वर्षों से सेवा दे रहे अनुभवी शिक्षकों के बीच बढ़ रही चिंता को समझते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कानूनी समाधान तलाशे जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे शिक्षक यूनियनों के निरंतर संपर्क में हैं और हम कानूनी रास्ता खोज रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अपने शिक्षकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इस पहल को सख्त निगरानी, सुरक्षित इंस्टॉलेशन प्रोटोकॉल और सार्वजनिक संसाधनों के पारदर्शी उपयोग के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से डिजिटल परिवर्तन लाया जा सके। पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत सरकारी स्कूलों को पारंपरिक कक्षाओं से स्मार्ट, तकनीक आधारित शिक्षण वातावरण में परिवर्तित करते हुए भगवंत मान सरकार ने पंजाब के विद्यार्थियों को डिजिटल तैयारी में अग्रणी बनाया है और यह सुनिश्चित किया है कि वे तेजी से विकसित हो रही दुनिया में उच्च शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के लिए आवश्यक योग्यताओं से लैस हों।

बेरोजगार पत्नी निरुपयोगी नहीं, उसकी मेहनत की अनदेखी करना अन्यायपूर्ण

नई दिल्ली। बेरोजगार पत्नी की धारणा को दूर करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी कभी बेकार नहीं बैठती है। उसका श्रम कमाने वाले पति को प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाता है। भरण-पोषण के दावों का निर्णय करते समय पत्नी के इस योगदान को अनदेखा करना अवास्तविक और अन्यायपूर्ण होगा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि पत्नी के बेरोजगार होने को आलस्य या जानबूझकर निर्भरता के बराबर नहीं माना जा सकता है। भरण-पोषण का निर्धारण करते समय, कानून को न केवल वित्तीय आय को बल्कि विवाह के दौरान घर और घरेलू संबंधों में उसके योगदान के आर्थिक मूल्य को भी मान्यता देनी चाहिए। अदालत ने 16 फरवरी के अपने फैसले में आगे कहा, यह धारणा कि न कमाने वाली जीवनसाथी आलसी है, उसके घरेलू योगदान को लेकर गलतफहमी को दर्शाती है। रोजगार न होने को आलस्य कहना आसान है, लेकिन घर चलाने में लगने वाले श्रम को पहचानना कहीं अधिक कठिन है। पति ने पत्नी को

आलसी बताया था - पति ने हाईकोर्ट में दावा किया कि पत्नी आलसी बैठी भरण-पोषण मांग रही है, जबकि वह बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठा रहा है। कोर्ट ने कहा कि कमाई की क्षमता और वास्तविक कमाई अलग-अलग हैं। जो महिलाएं काम कर सकती हैं और काम करने को इच्छुक हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन केवल इस आधार पर भरण-पोषण से इन्कार करना कि वह कमाने में सक्षम है और उसे अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा, इसलिए, यह अदालत किसी भी ऐसे दृष्टिकोण से सहमत नहीं है जो पत्नी के बेरोजगार होने को निष्क्रियता या पति पर जानबूझकर निर्भरता के बराबर मानता हो। अदालत घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम के तहत अलग रह रही पत्नी को भरण-पोषण देने के मामले पर विचार कर रही थी। ट्रॉयल कोर्ट और अपील अदालत ने महिला को भरण-पोषण देने से इन्कार कर दिया था, क्योंकि वह शिक्षित और सक्षम थी लेकिन नौकरी नहीं कर रही थी। महिला की शादी 2012 में हुई थी और आरोप है कि पति ने 2020 में उसे और उनके नाबालिग बेटे को छोड़ दिया था। अदालत ने आगे कहा कि भारतीय समाज में आज भी महिलाओं से शादी के बाद नौकरी छोड़ने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वैवाहिक विवादों में पति अक्सर इसके विपरीत रुख अपनाते हुए अपनी योग्य पत्नियों को भरण-पोषण देने से इन्कार कर देते हैं और उन पर जानबूझकर बेरोजगार रहने का आरोप लगाते हैं। कोर्ट ने माना कि माना कि शादी या परिवार के कारण करियर छोड़ने वाली महिला बाद में उसी स्तर पर नौकरी नहीं पा सकती। मामले में पत्नी की कोई कमाई साबित नहीं हुई, इसलिए कोर्ट ने उसे 50,000 रुपये प्रति माह अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा, घर संभालना, बच्चों की देखभाल, परिवार का सहयोग और नौकरी में पति के तबादले के अनुसार जीवन ढालना भी काम है, भले ही यह अवैतनिक हो। अदालत ने कहा, ये जिम्मेदारियां बैंक स्टेटमेंट में दिखाई नहीं देतीं और न ही इनसे कर योग्य आय उत्पन्न होती है, फिर भी ये एक अदृश्य संरचना का निर्माण करती हैं जिस पर कई परिवार चलते हैं।

स्टील शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी में नोडल एक्सीलेंस सेंटर होगा स्थापित

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। स्टील संरचनात्मक में शोध, डिजाइन नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी दिल्ली में नोडल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा। इस संबंध में आईआईटी दिल्ली और जिंदल स्टील के बीच समझौता ज्ञापन हुआ है। प्रमुख आईआईटी संस्थानों को आपस में जोड़कर स्टील निर्माण के लिए समन्वित राष्ट्रीय इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। यह केंद्र आधुनिक डिजाइन विधियों, बहु-आपदा सहनशील निर्माण पर केंद्रित होगा। जिसमें उच्च क्षमता स्टील पर विशेष बल दिया जा सके। केंद्र निर्माण क्षेत्र में संरचनात्मक स्टील के व्यापक उपयोग से अधिक टिकाऊ भवन निर्माण, लागत में कमी और पूरे भारत में अवसंरचना की आपूर्ति सुनिश्चित की दिशा में काम करेगा। केंद्र अनुसंधान, डिजाइन, फैब्रिकेशन और निर्माण को जोड़ने वाले एक मंच के रूप में कार्य करेगा। यह आवास, पुल, ऊंची इमारतों और औद्योगिक संरचनाओं में उच्च-क्षमता संरचनात्मक स्टील के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र कोड, मानक एवं डिजाइन कार्यप्रणालियों के आधुनिकीकरण, कार्बन फुट प्रिंट में कमी को बढ़ावा देगा। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि इस नोडल केंद्र की स्थापना के लिए जिंदल स्टील के साथ साझेदारी की है। यह केंद्र विशेष रूप से उच्च-क्षमता अनुप्रयोगों के संदर्भ में संरचनात्मक स्टील अनुसंधान को शैक्षणिक गंभीरता एवं निरंतरता प्रदान करेगा।

मयूर विहार इलाके के मॉल की पार्किंग में कार से मिला शव, मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक, मयूर विहार स्थित स्टार सिटी मॉल की पार्किंग में खड़ी एक कार से शव मिला है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। दिल्ली पुलिस के अनुसार, %पीड़ित की पहचान नोएडा के इलाहाबास निवासी नरेंद्र के रूप में हुई है। मौत का कारण नेचुरल लग रहा है। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि वह कार के अंदर बैठा था और शायद उसे हार्ट अटैक आया था।% दिल्ली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। उसकी मौत दम घुटने से हुई है या उसे अटैक आया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि घटना से जुड़े कोई सुराग मिल सकें। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह कोई सुनियोजित हत्या है या फिर कोई और कारण है। पुलिस के मुताबिक, 23 फरवरी को शाम करीब 5-55 बजे, पुलिस स्टेशन मयूर विहार में एक पीसीआर कॉल आई। इसमें बताया गया कि स्टार सिटी मॉल, मयूर विहार में खड़ी एक गाड़ी के अंदर एक व्यक्ति बेहोश पड़ा है। शुरुआती जांच में, शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले। जांच के दौरान, मरने वाले के पास से अस्थमा से जुड़ी कुछ दवाएं मिलीं। पहली नजर में, यह मामला नेचुरल मौत का लग रहा है।

NAME CHANGE
I, hitherto known as Fajid khan alias Fazil khan S/O: Rajauila Khan, R/O 212, Usmanpur, Usmapur, Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203141, have change my name and shall hereafter be known as Fajid Khan.

NAME CHANGE
I Sadhana Chaurasiya W/o Lal Bihari R/o Hardoi Ganj, Hardoi Narsing Hom, PO-Hardoi, Dist-Hardoi, Uttar pradesh - 241001, have changed my name to Guddi Chaurasiya

NAME CHANGE
I, RAJ KUMAR S/O RAGHVIR SINGH residing at H NO-3413, GALI MALIYAN, MOHALLA JAT WARA, DELHI GATE, DELHI-110002, have changed my name to RAJ KUMAR SUGANDH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SWAYAN SHREE Daughter of JC-432591N Rank-SUB CLK (SD) Name-ASHOK KUMAR BEHERA Presently residing at VILL-HATASAHI, PO-RAJENDRAPUR, VIA-KABIRPUR TEH-KUAKHIA, DIST-JAJPUR, ODISHA-755009, have changed my name from SWAYAN SHREE to SWAYANSHREE for all future purposes vide Affidavit dated 26/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANOROMA BEHERA Mother of JC-432591N Rank-SUB CLK (SD) Name-ASHOK KUMAR BEHERA Presently residing at VILL-HATASAHI, PO-RAJENDRAPUR, VIA-KABIRPUR TEH-KUAKHIA, DIST-JAJPUR, ODISHA-755009, have changed my name from MANOROMA BEHERA to MANORAMA BEHERA for all future purposes vide Affidavit dated 26/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BAIRAGI CHARAN BEHERA Father of JC-432591N Rank-SUB CLK (SD) Name-ASHOK KUMAR BEHERA Presently residing at VILL-HATASAHI, PO-RAJENDRAPUR, VIA-KABIRPUR TEH-KUAKHIA, DIST-JAJPUR, ODISHA-755009, have changed my name from BAIRAGI CHARAN BEHERA to BAIRAGI BEHERA for all future purposes vide Affidavit Dated 26/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA RANJAN W/O Ranjan Kumar R/O 163, Pocket B, DDA Flats, Sukhdev Vihar, PO: New Friends Colony, DIST: South Delhi-110025, have changed the name of my minor daughter DIYA RANJAN aged 16 years and she shall hereafter be known as HARSHIKA KASHYAP.

NAME CHANGE
It is for general information that I ROHIT S/o JAGBIR SINGH CHAUHAN R/o KHASRA NO 55/24, MANDIR WALI GALI, PAWAN DHAM TRIVENI COLONY, BAKHTAWARPUR , Alipur, Delhi -110036, declare that the name of my father has been wrongly written as JAGBIR SINGH in my all Education Documents and in my PAN card No. DREPR4359R , Aadhar No. 261473614718 and in my Driving License No. DL1 20260017163. The actual name of my father is JAGBIR SINGH CHAUHAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as JAYA SACHWANI D/o AMRITLAL SACHWANI W/o GAURAV KUMAR RAJPAL R/o 126 A , AC Block , Shalimar Bagh , North West Delhi , Delhi – 110088 have changed my name and shall hereafter be known as LAVANYA RAJPAL.

NAME CHANGE
It is for general information that I YASHODHRA CHAWDA W/O Late DHIRAJLAL CHAWDA Permanent R/o 523 C.P. Colony Morar , Gwalior, Tehsil Gwalior, District Gwalior , Madhya Pradesh - 474006 Presently R/o Flat No. 1104, Urvashi - 1, Vaibhav Khand, Amrapali Royal, VTC: Indirapuram, PO: Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014 declare that the name of mine has been wrongly written as YASHUDHARA in my Husband's PPO No. 601199000665. The actual name of mine is YASHODHRA CHAWDA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as NIRANJAN KAUR THIND alias NIRA MOHAN D/o DALIP SINGH W/o MOHAN LAL R/o B 51, Sector-26, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed my name and shall hereafter be known as NIRANJAN KAUR THIND.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित करती हूं कि मैं श्रीमती रीता धर्मपत्नी स्व.श्री राजन , निवासी 89 वाल्मीकि सदन , मंदिर मार्ग , गोल मार्किट, नई दिल्ली -110001 ने अपने बेटे आशीष व उसकी पत्नी कोमल से सभी रिश्ते तोड़ते हुए अपनी सभी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। क्योंकि यह दोनों हमेशा मेरे और मेरी बेटी काजल के साथ मारपीट कर पैसे की मांग करते रहते है। मैं एक विधवा सरकारी नौकरी कार्यरत महिला हूं। जिसका ये दोनों लोग फायदा उठा रहे हैं। भविष्य में कोई भी व्यक्ति इन दोनों के साथ लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Rajesh Kumar** is the owner of Plot no. 30, admeasuring 100 Sq. yards, Plot no. 31, admeasuring 152 Sq. yards, admeasuring 100 Sq. yards, and land admeasuring 152 Sq. yards, total admeasuring 504 Sq. yards, Village Bhojpur, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, Distt. Ghaziabad vide Sale Deed dated 29.04.2025 which is registered as doc. no. 8749, book no.1, vol. no. 16227, page no. 155 to 170, on 29.04.2025, SRO-Modi Nagar. and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned here-in below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, SHIV POOJAN KUSHWAHA S/O GANESH BHAGAT R/O HOUSE NO-4880, GALI NO-1, SURYA COLONY, SEHATPUR, SHIVALIK HOSPITAL, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003, HAVE CHANGED MY NAME TO SHIV POOJAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, DEVENDER PAL S/O Suresh Kumar R/O near M C D SCHOOL, 189 GAON, bakoli, PO: Bakoli, DIST: North West Delhi, Delhi-110036, have changed the name of my minor daughter MAIRA aged 5 years and she shall hereafter be known as MAIRA PAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as PURNIMA AGGARWALA alias JYOTSNA AGGARWALA alias JYOTSNA GOYAL D/o HUKAM CHAND AGGARWALA, and W/o VISHAL GOYAL, residing at F-24/111, Rohini Sector-3, Rohini Sector-7, Narela, North West Delhi, Delhi-110085, have changed my name and shall hereafter be known as JYOTSNA GOYAL, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as BILAL S/o MOHD SADIQ R/o H.No. 13/310 , Kalyan Puri , Mayur Vihar , East Delhi , Delhi , 110091 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD BILAL.

NAME CHANGE
I Rupinder Kaur Dhillon W/O Ravinder Pal Singh, R/o CD-18, PITAM PURA, DIST: North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name Rupinder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ravinder Pal Singh Dhillon S/o Beant Singh, R/o CD- 18, PITAM PURA, DIST: North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name to Ravinder Pal Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Hergovind S/O Satbir Jain R/O E-5/23 Krishna nagar delhi 110051, changed my name to Har Govind Jain.

NAME CHANGE
I CHARU SURMA W/0 Deepak Surma R/0 J - 5/101 B Rajouri Garden New Delhi 110027 Changed my name to CHARU MALIK

NAME CHANGE
I, Noreen Haroon W/O Haroon Zaki R/O 1053, mohalla kishan Ganj teliwara, Azad Market delhi 110006, changed my name to Noorien Haroon

सार्वजनिक सूचना
क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के समक्ष
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (भारत सरकार)
एलएलपी अधिनियम, 2008 की धारा 13(3) के मामले में तथा नैमिंगो सर्विसेज एलएलपी के मामले में, जिसका पंजीकृत कार्यालय हाउस नंबर 694, पहली मंजिल, पश्चिम परमानंद कॉलोनी, किंग्सवे कैंप, उत्तरी दिल्ली - 110009 पर स्थित है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नैमिंगो सर्विसेज एलएलपी (LLPIN: AAJ-7097), जिसका पंजीकृत कार्यालय वर्तमान में हाउस नंबर 694 पहली मंजिल, पश्चिम परमानंद कॉलोनी, किंग्सवे कैंप, उत्तरी दिल्ली में स्थित है, अपने पंजीकृत कार्यालय को दिल्ली से झारखंड में स्थानांतरित करने के लिए एलएलपी अधिनियम, 2008 की धारा 13 के तहत क्षेत्रीय निदेशक को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है। यदि किसी भी व्यक्ति का इस प्रस्तावित स्थानांतरण से कोई हित प्रभावित होता है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति, एक हलफनामे (द्बद्बद्बस्र्ड्ड1द्बह्ल) के साथ, पंजीकृत डाक द्वारा क्षेत्रीय निदेशक को भेज सकता है। आपत्ति की एक प्रति नीचे दिए गए पते पर एलएलपी के पंजीकृत कार्यालय को भी भेजी जानी चाहिए। नैमिंगो सर्विसेज एलएलपी के लिए और उनकी ओर से
(हस्ताक्षर)
नितेश रंजन
(नामित साझेदार)
पता- हाउस नंबर- 694, पहली मंजिल, पश्चिम परमानंद कॉलोनी, किंग्सवे कैंप, उत्तरी दिल्ली -110009
दिनांक: 27 फ़रवरी, 2026
स्थान: दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती गीता, पत्नी श्री राघवेंद्र, प्लॉट संख्या 23 (प्रॉपर्टी आईडी- 1BMYRwB6), जिसका क्षेत्रफल 3.33 मरला अर्थात 100 वर्ग गज है, जो खेवाद संख्या 6, खतौनी संख्या 9, किल्ला संख्या 13/8/2/2 में स्थित है तथा ग्राम पल्ला, तहसील एवं जिला फरीदाबाद, हरियाणा-121003 के क्षेत्र में आता है, को श्री अरुण, श्री तरुण एवं सुश्री उर्मिला से क्रय करना चाहती हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती शांति देवी थीं, जिन्होंने दिनांक 15.01.1990 को श्री सुभाष चौहान से विक्रय विलेख के माध्यम से इसे खरीदा था। तत्पश्चात, श्रीमती शांति देवी ने दिनांक 15.07.1994 के नोटरीकृत जी.पी.ए., ए.टी.एस. एवं वसीयत के माध्यम से तथा दिनांक 30.01.1995 के विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 6278) द्वारा उक्त संपत्ति श्री लक्ष्मी कांत तिवारी को हस्तांतरित/विक्रय कर दी। दुर्भाग्यवश, श्री लक्ष्मी कांत तिवारी का निधन दिनांक 23.04.2015 को हो गया तथा उनकी पत्नी श्रीमती बिमला तिवारी का भी दिनांक 09.08.2020 को देहांत हो गया। उनके पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी, अर्थात श्री अरुण एवं श्री तरुण (दोनों पुत्र) तथा सुश्री उर्मिला (पुत्री) जीवित हैं। अतः श्री अरुण, श्री तरुण एवं सुश्री उर्मिला उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Meeta Chauhan W/O: Darmender Chauhan, R/O X 271-B, Gali No-55, near shiv mandir, Brahampuri, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Geeta Chauhan and Dharmender Chauhan in my minor daughter namely Muskan Chauhan aged 16 years in her 10th class educational document. The actual name of mine and my husband are MEETA CHAUHAN and Darmender Chauhan , Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PAWAN KUMAR KAUSHIK S/O RAMESH CHAND SHARMA R/O 317, Main Railway Road Sahibabad, I.E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, have changed the name of my minor son DEVPRIYA KAUSHIK aged 16 years and he shall hereafter be known as DEV KAUSHIK.

NAME CHANGE
I hitherto known as Brijesh Kumar Bansal alias Brijesh Kumar Alias Birjesh Bansal S/o Asha Ram Bansal R/o Plot 14, Suchetapuri, Govindpuri Modinagar, Sara, Ghadiabad, Uttar Pradesh-201201 have changed my name and shall hereafter be known as Brijesh Bansal.

NAME CHANGE
I Gurdeep Singh Anand S/o Rattan Singh R/o J-101, Petel Nagar 1, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor daughter Khushleen Kaur aged 16 years and she shall hereafter be known as Khushleen Kaur.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ruchika Garg D/o Raghunandan Prasad Garg R/o 95, Beech Patti, Pilkhua Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304 have changed my name and shall hereafter be known as Ruchika Singhal.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SAPNA JAIN D/o SAMPAT RAI W/o PRAMOD KUMAR JAIN R/o A-186, SURYA NAGAR, PEEPAL WALI GALI, CHANDER NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201011, declare that the name of my father has been wrongly written as PRAMOD KUMAR JAIN in my Pan Card No. AAGPJ3893A. The actual name of my father is SAMPAT RAI respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I HARJINDER SINGH S/O GURBAX SINGH R/O 24/24 GROUND FLOOR WEST PATEL NAGAR DELHI-110008 HAVE CHANGED MY NAME TO HARJINDER PAL SINGH

NAME CHANGE
I GURMEET KAUR TANEJA WO HARJINDER PAL SINGH R/O 24/24 GROUND FLOOR WEST PATEL NAGAR DELHI-110008 HAVE CHANGED MY NAME TO GURMEET KAUR

NAME CHANGE
I, ANU LEHKRA W/O RAKESH KUMAR R/O MAHCHANA (16), HAILLY MANDI, GURGAON, HARYANA-122504, HAVE CHANGED MY NAME TO ANNU FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Shakuntala Devi W/O Ram Kanwar Tanwar R/O RZF-12 Gali no 42 A Sadh nagar -2 palam colony new delhi 110045, changed my name to Shakuntla Devi.

NAME CHANGE
I, Mousumi Das W/O Ankit R/O C-11-B 3rd floor Raju park near Hanuman mandir khanpur delhi 110062, changed my name to Mousumi Singh.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुविक्कल आर.पी.अग्रवाल सुपुत्र स्व0 मुकट लाल अग्रवाल निवासी-एच-48, द्वितीय तल, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली ने अपने पुत्र ऋषभ अग्रवाल को इसके दुर्वव्यवहार व गलत आचरण व गलत संगत के कारण मेरे मुवक्किल के नियन्त्रण से पूरी तरह से बाहर हो गया हैं, जिसके कारण मेरे मुवक्किल ने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते-नाते विच्छेद कर लिये हैं। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के पुत्र से भविष्य में किसी प्रकार का कोई भी लेन देन या किसी प्रकार का कोई करार करते है या मेरे मुवक्किल का पुत्र किसी प्रकार का कोई अपराधिक कार्य करता हैं तो उसके लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा और उसके लिए मेरे मुवक्किल व उनके परिवार के सदस्यों की किसी तरह की कोई जिम्मेदारी नही होगी।
स्वर्ण सिंह अधिवक्ता
चैम्बर नं-610, साकेत कोर्टस,
नई दिल्ली-1110017

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Monu** is the owner of Plot no. 71, admeasuring 150 Sq. yards, Plot no. 71, admeasuring 100 Sq. yards & Plot no. 88 admeasuring 150 Sq. yards and Plot no. 89, admeasuring 100 Sq. yards total admeasuring 500 Sq. yards, out of Khasra no. 1135, Village Bhojpur, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, Distt. Ghaziabad vide Sale Deed dated 01.05.2025 which is registered as doc. no. 8953, book no.1, vol. no. 16234, Page no. 259 to 274, on 01.05.2025, SRO- Modi Nagar, Ghaziabad, and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned here-in below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे ग्राहक, **उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड,** शाखा का पता- डी-11, भूतल, आरडीसी राज नगर, बीएसएनएल कार्यालय के सामने, गाजियाबाद -201002, यहाँ 1) श्री अखिल और 2) श्री कफील (मालिक) ने 41.50 वर्ग गज के आवासीय भूखंड पर ऋण स्वीकृति और वितरण के लिए मेरे ग्राहक से संपर्क किया है। यह भूखंड खसरा संख्या 2312 के अंतर्गत आता है और मदीया जतन से बस स्टैंड तिराहे तक पिलखुवा, परगना दासना, तहसील धौलाना, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश में स्थित है।
1) श्री अखिल और 2) श्री कफील उक्त भूमि के स्वामी थे, अर्थात् खसरा संख्या 2312 में से 41.50 वर्ग गज भूमि क्षेत्र, श्रीमती शबनम द्वारा निष्पादित दिनांक 21.12.2021 के विक्रय विलेख के आधार पर, जो दिनांक 21.12.2021 को दस्तावेज़ संख्या 12733 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.11.2015 को श्री अहमद हसन की पत्नी श्रीमती रहीसा, श्री अहमद हसन के पुत्र श्री सलीम और श्री अहमद हसन के पुत्र श्री जावेद अहमद द्वारा श्री अहमद हसन के पुत्र श्री अलीम के पक्ष में उक्त भूमि, अर्थात् खसरा संख्या 2312 में से 41.50 वर्ग गज भूमि क्षेत्र के संबंध में निष्पादित मूल सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (परिवार के भीतर) की पिछली श्रृंखला, जिसका दस्तावेज संख्या 103 दिनांक 09.11.2015 है और जो उप रजिस्ट्रार हापुड़ में विधिवत पंजीकृत है, तथा संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी श्री अहमद हसन का मृत्यु प्रमाण पत्र और उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र गुम/खो गया है और उसका पता नहीं लगाया जा सकता है। इस संबंध में सीलमपुर पुलिस स्टेशन में एलआर संख्या 131420/2026, दिनांक 26.02.2026 के तहत एक रिपोर्ट दर्ज की गई है। उक्त संपत्ति के संबंध में या उज्जिवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के विरुद्ध किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, हक, हित, ग्रहणाधिकार, प्रभार या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (7) दिनों के भीतर **एडवोकेट दीपक मलिक (मोबाइल- +91-9540419009)** को दस्तावेजी प्रमाण सहित लिखित में अपनी आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। ऐसा न करने पर, यह मान लिया जाएगा कि कोई दावा या भार मौजूद नहीं है, और लेन-देन तदनुसार आगे बढ़ेगा।
दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता-दुकान - 2
कटारिया कॉम्प्लेक्स
दयानंद कॉलोनी, गुडगाँव

NAME CHANGE
I, PRAKASHI DEVI, legally mother of No 14688617K Hav Clk (SD) GEETAM SINGH, Presently residing at VPO-Patalauny, Tehsil-Mahavan, District-Mathura, State Uttar Pradesh declare that I have changed my name from PRAKASHI DEVI to PRAKASHI vide affidavit No 741 dated 02 May 2025.

NAME CHANGE
I JITENDER GAHLOT S/O DAULAT RAM R/O H NO-76/1, MOCHI BAGH VILLAGE, DELHI-110021. have changed my name to JITENDER SINGH GHALLOT for all future purpose.

NAME CHANGE
I RENUKA GAHLOT W/O JITENDER SINGH GHALLOT R/O H NO-76/1, NANAKPURA, SOUTH MOTI BAGH, MOTI BAGH, VILLAGE, DELHI-110021. have changed my name to RENUKA GHALLOT for all future purpose.

NAME CHANGE
I Ajay Kuamr S/O Rakesh Kumar R/O. H.No-E-56/265, Village Khera, Shahdara, Delhi-110095 have changed my name to Ajay Kumar.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राम कुमार शोकीन, श्री राज पाल शोकीन और श्री प्रदीप कुमार, 927 वर्ग गज के भूखंड में से लगभग 375 वर्ग गज के भूखंड के स्वामी है। नई दिल्ली-110071 के दक्षिण पश्चिम जिले के छानला गांन, एमसीडी स्कूल के पास, मोहल्ला पचेया में स्थित खसरा संख्या 251-252 में से गज जमीन, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री डी.एन. पटेल द्वारा दिनांक 02.12.2021 को सीएस (ओएस) संख्या 213/2019 में पारित विभाजन मुकदमे के अंतिम फैसले के अनु ?सार श्री राहुल शोकीन और श्री मनीष शोकीन को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम बनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करा
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
It is for general information that I AYUSH RAJ ARYAN S/O SHRAWAN KUMAR SINGH R/O 2101/B 1, Gali No-12 Prem Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008 declare that name of my father has been wrongly written as SHRVAN KUMAR SINGH in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is SHRAWAN KUMAR SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RITESH PODDAR S/O RAMESH KUMAR R/O 2094-F-G-4, Gali No-17, Prem Nagar, VTC-Patel Nagar, PO-Patel Nagar, Sub District-New Delhi, District-Central Delhi, Delhi-110008 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as RAMESH PODDAR and RITA DEVI in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are RAMESH KUMAR and REETA DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Shruti sherawat D/o Ramesh kumar sehrawat R/o hno.238, pana bitrola dulan bawana delhi 110039, have changed my name Shruti sehrawat for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ramesh Nandini Pandey W/o Suresh Narayan Pandey R/o H.No.500, Street Mantola, Pahar Ganj, Delhi-110055 have changed my name to Ramesh Nandani Pandey.

NAME CHANGE
I Ramesh sherawat S/o jaidev singh R/o hno.238, pana bitrola dulan bawana delhi 110039, have changed my name Ramesh kumar sehrawat for all future purposes.

NAME CHANGE
I Shabura Khanam W/o Nazakat Ali Khan R/o 920, Block D, Jahangir Puri, North West, Delhi - 110033 have changed my name Sabura Khanam for all future purposes.

NAME CHANGE
I Surinder Punnayani S/O Somnath Punyani, H No-4336.second floor., B block 25 foota road sant nagar burari, Near 112 no Gali, Sant nagar burari, Sant Nagar Burari, North Delhi, Delhi, 110084 have changed my name to Surender Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I Shashi Punnayani W/O Surender Punyani, R/o H NO-4336 GROUND FLOOR 25 FOOTA ROAD BLOCK B SANT NAGAR, 25 FOOTA ROAD, SANT NAGAR BURARI, Sant Nagar Burari, DIST:North Delhi, Delhi, 110084 have changed my name to Shashi Bala for all future purposes.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR S/O RANDHIR SINGH R/O 6/3, One, Near Sanatan Dharm Mandir, New Deenpur Extention, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043 have changed the name of my minor Daughter DHAKSHITA aged 14 years and she shall hereafter be known as DAKSHITA.

NAME CHANGE
I, SUDESH KUMARI wife of JC751016A, Rank-EX-SUB, Name-BALJIT SINGH MOR residing at RZ-26P/51, STREET NO-6, INDRA PARK EXTN, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, NEW DELHI-110045, have changed my name from SUDESH KUMARI to SUDESH MOR for all future purposes vide Affidavit dated 26/02/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I RACHANA KATHURIA W/O RISHI KATHURIA R/O H NO-35, OLD GEETA COLONY, DELHI-110031. have changed my name to RACHNA KATHURIA for all future purpose.

Public Notice
It is for general information that I, Anchal Kumari D/o Deepak Kumar R/o A-79, Sector-25 Rohini, Ritahla, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi-110085 declare that name of my mother has been wrongly written as Nandini Devi in my 10th Class Educational Documents and Nandani Devi in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Raj Nandani.

Public Notice
It is for general information that I, Bhupendra Pratap S/o Indrapal Yadav R/o House No A 280 Gali No 6, Part 5, Sonia Vihar, Badar Pur Khadar, Sabhapur, Seelam Pur, North East Delhi, Delhi-110094 declare that name of mine has been wrongly written as Bhupendra Pratap Yadav in my minor daughter Palak Yadav aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is Bhupendra Pratap.

Public Notice
I Karishma Manchanda D/o Sukhwant Singh Manchanda Ex W/o Nitin Sharma R/o H-167, Sarita Vihar, Sarita Vihar, New Delhi, South Delhi, Delhi-110076 declare that I got divorce from my husband Vide Court Decree HMA No. 1804/2025 dated 12/12/2025. Further I have changed the name of my minor daughter Raabhya Sharma aged 4 years and she shall hereafter be known as Raabhya Manchanda.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कॉलेज छात्रा को एक दिन के लिए बनाया महिला थाना प्रभारी

एजेंसी

जींद। महिला सशक्तिकरण को चरित्रार्थ करते हुए महिला थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर मोनिका के नेतृत्व में प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय की छात्रा ओजशी को एक दिन के लिए एसएचओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अनूठे प्रयोग का उद्देश्य युवाओं विशेषकर छात्राओं व महिलाओं में पुलिस कि कानूनी कार्य प्रणाली एवं सुरक्षा और न्याय प्रणाली के प्रति विश्वास और जागरूक करना रहा। इस कार्यक्रम के तहत छात्रा ने महिला थाना की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा कि थाने में किस प्रकार के प्रकरण दर्ज होते हैं तथा महिलाओं से संबंधित अपराध जैसे घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीडन, छेड़छाड़, साइबर उत्पीडन, बच्चों से संबंधित अपराध जैसे बाल शोषण, गुमशुदगी, बाल विवाह तथा ऑनलाइन ठगी, ब्लैकमेलिंग जैसे मामलों में पुलिस किस प्रकार त्वरित कार्रवाई करती है। छात्रा एसएचओ ने संवाद के माध्यम से यह संदेश दिया कि पुलिस सिर्फ कानून लागू करने वाली संस्था ही नहीं बल्कि समाज की संरक्षक और सहयोगी है। उन्होंने छात्राओं, अभिभावकों व आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या शंका होने पर निडर होकर पुलिस से संपर्क करें। पुलिस विभाग हमेशा आमजन के लिए सेवा, सुरक्षा एवं सहयोग के लिए 24 घंटे तत्पर रहती है।

विभाग अपनी सड़कों का करे रोड सेफ्टी ऑडिट : एडीसी

सिरसा। सिरसा के अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने कहा है कि रोड सेफ्टी ऑडिट उस प्रत्येक विभाग को करना होगा जो सड़क के रख रखाव व निर्माण का कार्य देख रहा है। एडीसी सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग यह तय करें कि उनके अधिकार क्षेत्र के मार्ग पर किसी प्रकार के अवरोध न हो, जो सडक़ दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। विभाग की इंजीनियरिंग टीम अपने क्षेत्र का निरीक्षण कर, जो भी कमियां पाई जाती हैं, तो उन्हें दुरुस्त करवाएं। यदि कार्य दूसरे विभाग से संबंधित है तो दूसरे विभाग से भी तालमेल कर इसे ठीक करवाया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि स्कूलों के पास सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्कूल सेफ्टी जोन बनाए जाएं। यह अनिवार्य है और संबंधित एजेंसी को इस दिशा में जल्द कार्य पूरा करना होगा। एडीसी ने कहा कि बिजली निगम जब भी पोल सडक़ के साथ लगाए तो, सडक़ के स्वामित्व वाले विभाग से तालमेल करें और आपसी समन्वय के साथ जगह तय करें न कि अपने प्लान के हिसाब से पोल खड़े करें। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि बिजली निगम अगली बैठक में एक्शन प्लान सांझा करें। बैठक में नागरिक अस्पताल सिरसा के बाहर अव्यस्थित वाहन खड़े होने, रोड की चौड़ाई कम होने व पानी के नाले को अंडरग्राउंड करने सहित इस मार्ग पर आने वाली यातायात रुकावटों को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है जिसमें स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता व रोड सेफ्टी प्रतिनिधि को शामिल किया गया है।

विकास को नई रफ्तार देने का संकल्प, ज्योति शर्मा ने ली शपथ

पानीपत। जिला परिषद की निर्वाचित अध्यक्ष ज्योति शर्मा को जिला सचिवालय सभागार में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने उन्हें शपथ दिलाते हुए जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया। शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में उपायुक्त ने जिला परिषद प्रधान को औपचारिक रूप से सीट पर बिठाकर सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने बुधवार को कहा कि जिला परिषद ग्रामीण विकास की धुरी है और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करना समय की मांग है। नव-निर्वाचित सदस्य से उन्होंने अपेक्षा जताई कि वे क्षेत्र के विकास कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। सीईओ डॉ. किरण ने कहा कि जिला परिषद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सदस्य मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करने से जिले में सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित होगा।

मॉक ड्रिल: प्राकृतिक आपदा से निपटने की तैयारियों का किया अभ्यास

सिरसा। सिरसा के राजकीय नेशनल कॉलेज में मॉक ड्रिल के माध्यम से जिला प्रशासन व एनडीआरएफ की टीमों द्वारा प्राकृतिक आपदा के दौरान पैदा हुए हालात से कैसे निपटा जाए, संबंधी तैयारियों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान आग लगने जैसी स्थिति उत्पन्न होने तथा भूकंप या अन्य कारणों से इमारत के गिरने पर जान-माल के बचाव संबंधी अभ्यास किया गया। एनडीआरएफ की ओर से सेकेंड इन कमांड अधिकारी मनोज कुमार ने बुधवार को बताया कि मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ की ओर से इंस्पेक्टर त्रिलोक सिंह के नेतृत्व में 30 सदस्यी टीम ने हिस्सा लिया और इमारत गिरने के बाद किस तरह अधिक से अधिक जान-माल का सुरक्षित तरीके से बचाव किया जा सके, इसका अभ्यास करते हुए विद्यार्थियों को किसी भी प्राकृतिक आपदा से स्वयं व दूसरों का बचाव किया जा सके, यह भी बताया गया। उन्होंने कहा कि यह एक अभ्यास प्रक्रिया है, जो निरंतर समय दर समय होती है।

उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता: विक्रम सिंह

एजेंसी

पलवल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित और संतोषजनक समाधान तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विक्रम सिंह पलवल स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में निगम के परिचालन और प्रशासनिक कार्यों, राजस्व सुधार, लाइन लॉस में कमी और उपभोक्ता सेवा गुणवत्ता को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने बिलिंग दक्षता, एटी एंड सी हानियां, बकाया राशि की वसूली, डिस्कनेक्ट

उपभोक्ताओं से रिकवरी, बिजली चोरी की रोकथाम और न्यायालयीन मामलों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रबंध निदेशक ने 'मेरा गांव जगमग गांव' और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति का भी आंकलन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए फीडर स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जिन क्षेत्रों में लाइन लॉस अधिक है, वहां विशेष कार्य-योजना बनाकर सुधार किया जाए। उन्होंने मीटर बॉक्स की अनुचित स्थापना, असुरक्षित लाइनों और खंभों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक करने के भी निर्देश दिए। बैठक में 11 केवी और 33 केवी फीडरों की ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन की स्थिति की समीक्षा करते हुए बार-बार बाधित होने वाले फीडरों की पहचान कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने को कहा । साथ ही क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने, बिजली दुर्घटनाओं की रोकथाम और उपकरणों के नियमित रखरखाव पर जोर दिया गया। इसके अलावा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सोलर पैनल वेंडर्स के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान योजना में आ रही समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में निदेशक (ऑपरेशन) विपिन गुप्ता, मुख्य अभियंता अनिल शर्मा, वीके अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता रंजन राव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

झज्जर के निजी अस्पताल में आयकर का छापा

एजेंसी

झज्जर। शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल में आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। विभाग की चार सदस्यीय टीम अचानक अस्पताल परिसर में पहुंची और पूरे परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया। टीम ने पहुंचते ही अस्पताल स्टाफ के साथ-साथ वहां भर्ती मरीजों के मोबाइल फोन भी एक स्थान पर रखवा दिए, ताकि किसी प्रकार की सूचना बाहर न जा सके। कार्रवाई की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस ने आयकर टीम के पहचान पत्रों की जांच की। बताया जा रहा है कि गुप्तचर और सुरक्षा से जुड़े पुलिस कर्मियों को भी रिकॉर्ड की जांच के दौरान दूरी बनाए रखने को कहा गया। आयकर विभाग की टीम ने अस्पताल में न तो किसी को अंदर आने दिया और न ही किसी को अस्पताल से बाहर जाने की अनुमति दी। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी करने वाली टीम को अगले दो दिनों तक यहीं रुककर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान अस्पताल के कंप्यूटर सिस्टम, बैंक खातों से संबंधित दस्तावेजों सहित अन्य वित्तीय रिकॉर्ड दिनभर खंगाले जाते रहे।

छापेमारी की खबर फैलते ही शहर के अन्य निजी अस्पताल संचालकों में भी दिनभर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

बता दें कि यह अस्पताल झज्जर शहर के सिलानी गेट क्षेत्र में राव तुलाराम की प्रतिमा के नजदीक स्थित है और वर्तमान में जिले के शहर बहादुरगढ़ में निवास करने वाले एक चिकित्सक द्वारा संचालित किया जा रहा है। अस्पताल में आयकर विभाग की छापेमारी के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी देने से विभाग की टीम में इंकार कर दिया।

सीसीटीवी कैमरे, उडऩदस्ते व प्रशासनिक देखरेख में शांतिपूर्ण हुई 12वीं की परीक्षा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा के दौरान उपायुक्त (डीसी) अजय कुमार ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों पर सुरक्षा, अनुशासन और प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दोपहर 12:30 बजे से 03:30 बजे तक निर्धारित समयावधि में परीक्षा सख्त निगरानी और पुख्ता प्रबंधों के बीच शांतिपूर्वक एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। डीसी अजय कुमार सबसे पहले एसडी बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। वहां चीफ सेंटर सुपरिंटेंडेंट गीतिका आहूजा से परीक्षा प्रक्रिया, प्रश्नपत्र वितरण और विद्यार्थियों की बैठने की व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एसडी बॉयस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सुपरिंटेंडेंट राजीव बंसल से व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसके पश्चात उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कादीपुर का दौरा कर परीक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान सुपरिंटेंडेंट घनश्याम तथा चीफ सेंटर सुपरिंटेंडेंट राकेश से परीक्षा संचालन, व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतज़ामों और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद डीसी ने पीएमश्री गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 4/7 में भी निरीक्षण किया, जहां सुपरिंटेंडेंट कैलाश कुमार, प्राचार्य प्रदीप सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। केंद्रों पर कक्ष निरीक्षण नियमित रूप से किया गया। सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखी गई।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में एसीबी ने चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के साथ 590 करोड़ का फर्जीवाड़ा करने के मामले में एंटी क्रप्शन ब्यूरो ने जांच को तेज करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों को बुधवार अदालत में पेश करके सात दिन का रिमांड लिया गया है।

एसीबी चीफ आईपीएस एएस चावला ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2) एवं 61(2) के अंतर्गत दर्ज किया गया है है।

सरकार से प्राप्त पत्र एवं दस्तावेजों की जांच के दौरान यह गंभीर आरोप सामने आए कि कुछ सरकारी विभागों के बैंक खाते आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32 शाखा में संचालित थे। इन खातों में जमा सरकारी धनराशि को कथित

तौर पर अनधिकृत रूप से अन्य खातों,जिनमें निजी फर्मों, सरकारी विभागों एवं अन्य व्यक्तियों के खाते शामिल हैं में स्थानांतरित किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेजों के उपयोग की आशंका व्यक्त की गई है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है। जांच के दौरान संबंधित बैंकों तथा विभागों से दस्तावेज एवं वित्तीय रिकॉर्ड एकत्र किए जा रहे हैं और प्रत्येक लेन-देन का परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात विजिलेंस मुख्यालय में विस्तृत पूछताछ के उपरांत चार आरोपितों ऋभव ऋषि (पंचकूला निवासी), अभय कुमार (चंडीगढ़ निवासी), स्वाति सिंगला (चंडीगढ़ निवासी) एवं अभिषेक सिंगला (चंडीगढ़ निवासी) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों को अदालत में पेश किया गया।

जहां से उन्हें 7 दिन के रिमांड पर भेजा गया, ताकि प्रकरण के सभी पहलुओं की गहन जांच सुनिश्चित की जा सके तथा इस मामले से जुड़े अन्य संभावित तथ्यों और व्यक्तियों की भूमिका का भी विधिसम्मत अन्वेषण किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हरियाणा सरकार के अलावा चंडीगढ़ प्रशासन के भी कुछ खातों में यह फर्जीवाड़ा हुआ है।

आरआरटीएस कॉरिडोर से जुड़ेंगे गुरुग्राम-फरीदाबाद-नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा, सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम-फरीदाबाद-नोएडा-ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाले 'नमो भारत' रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर को मंजूरी देने का ऐलान किया। प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। इस घोषणा के साथ ही एनसीआर में तेज, आरामदायक और जाम-फ्री सफर के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बताया कि इस परियोजना की डीपीआर तैयार करने का जिम्मा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को सौंप दिया गया है। यह रैपिड ट्रेन कॉरिडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ईज़ ऑफ लिविंग' विजन के अनुरूप है, जो आम नागरिक के जीवन को सुविधाजनक, सरल और समय बचाने वाला बनाता है। सीएम ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के लिए कह दिया गया है। इस परियोजना पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी। एनसीआरटीसी डीपीआर में रूट और संभावित स्टेशनों का स्थान भी तय करेग। इसके लिए लगभग 75 हेक्टेयर भूमि की जरूरत होगी।

नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 64 किलोमीटर होगी, जिसमें से 52 किलोमीटर हिस्सा सिर्फ हरियाणा राज्य में पड़ेगा। यानी यह परियोजना हरियाणा के शहरी ढांचे और कनेक्टिविटी को बदलने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। परियोजना पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। शुरूआत में 6-कोच वाली 10 हाई-स्पीड ट्रेनें संचालित की जाएंगी, जिनमें प्रति ट्रेन 1928 यात्री सफर कर सकेंगे। यह क्षमता आज मौजूद मेट्रो और बस नेटवर्क से काफी अधिक होगी। सरकार के अनुमान के मुताबिक गुरुग्राम, फरीदाबाद और नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच रोजाना करीब एक लाख लोग यात्रा करते हैं। फिलहाल इन रूट्स पर भारी ट्रैफिक, लंबा सफर और प्रदूषण बड़ी समस्या है। नमो भारत आरआरटीएस इन यात्रियों को तेज सफर, कम समय, जाम-फ्री यात्रा, आरामदायक सीटें और सुरक्षित यात्रा का अनुभव देगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस प्रोजेक्ट का ऐलान करते हुए कहा कि नमो भारत आरआरटीएस सिर्फ एक ट्रांसपोर्ट सिस्टम नहीं, बल्कि यह पीएम नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन को जमीन पर उतारने वाली बड़ी परियोजना है। इससे एनसीआर में बेहतर कनेक्टिविटी, तेज आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

गुरुग्राम के इफ्को चौक से होगी शुरूआत

परियोजना के अनुसार, कॉरिडोर गुरुग्राम के इफको चौक से शुरू होगा और शहर के प्रमुख बिजनेस और रेजिडेंशियल पॉकेट्स - सेक्टर 29, मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर 52, सेक्टर 57 व सेक्टर 61 से होकर दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन तक इंटरकनेक्ट करेगा। यह हिस्सा गुरुग्राम के हजारों दफ्तर जाने वालों को सीधा फायदा देगा।

फरीदाबाद में कई क्षेत्र होंगे कवर

गुरुग्राम में ग्वाल पहाड़ी से आगे कॉरिडोर फरीदाबाद पहुंचेगा और सैनिक कॉलोनी, एनआईटी फरीदाबाद, बाटा चौक, सेक्टर 12-15 और न्यू फरीदाबाद को जोड़ते हुए दिल्ली मेट्रो की वायलेट लाइन से कनेक्शन देगा। यह लाइन आगे बढ़ते हुए एफएनजी एक्सप्रेसवे (सेक्टर 168), अमृता अस्पताल, और ग्रेटर नोएडा के प्रमुख स्थानों को जोड़ते हुए सूरजपुर जंक्शन तक पहुंचेगी।

बल्लभगढ़ में 1624 परिवारों को मिलेगा मालिकाना हक

एजेंसी

चंडीगढ़। फरीदाबाद के बल्लबगढ़ की जनता कालोनी के 1624 परिवारों को अब मालिकाना हक मिलेगा। सरकार ने इन परिवारों को जमीन का मालिकाना हक देने और उनकी जमीनों की रजिस्ट्री करवाने का निर्णय लिया है। इसके लिए बजट सत्र के बाद जनता कालोनी में विशेष कैम्प लगाया जाएगा ताकि लोग मौके पर ही आवेदन कर सकें और उनकी जमीनों की रजिस्ट्री करवाई जा सके।

पूर्व मंत्री व बल्लबगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि इस सवाल के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हुई बैठक के दौरान भी चर्चा हुई। सीएम ने इस बात पर चिंता भी जताई और बैठक में ही तय किया गया कि कमजोर वर्ग आवास योजना के तहत आवंटित किए गए मकानों को मालिकाना अधिकार दिए जाएंगे।

लगभग चालीस साल पहले यह योजना बनाई गई थी। विपुल गोयल ने कहा कि 2016 तक की अवधि के दौरान लाभार्थी परिवारों को मकान की किस्त जमा करवानी थी। उन्होंने कहा कि बहुत से ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अभी तक किस्त जमा नहीं करवाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे भी कई मामले हैं, जिनमें लोगों ने अपने मकान पावर ऑफ अटार्नी के जरिये दूसरे लोगों को बेच दिए हैं।

जिन लोगों ने अपनी किस्तों का भुगतान नहीं किया, उन्हें इसका भुगतान करने का एक मौका दिया जाएगा। इस अवधि का ब्याज भी सरकार ने माफ कर दिया है। मूलचंद शर्मा ने सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इससे गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी। विपुल गोयल ने कहा कि कैम्प में आवेदन करने और बकाया किस्त जमा करवाने वाले सभी परिवारों को मकानों का मालिकाना हक दिया जाएगा।

नगूरां में 69 करोड़ से सुधरेगी पेयजल व सीवरेज व्यवस्था

एजेंसी

जींद। महाग्राम में शामिल किए गए गांव नगूरां में पेयजल व सीवरेज व्यवस्था को लेकर 69 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जिसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता रणवीर सिंह ने नगूरां गांव में बन रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ जिला सलाहकार रणधीर मताना व कनिष्ठ अभियंता हितेश्वर सिंह भी उपस्थित रहे। उप मंडल अभियंता ने बताया कि महाग्राम नगूरां में पेयजल की समस्या को खत्म करने के लिए विभाग द्वारा बड़ा जलघर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। जोकि 1.00 एमएलडी व 2.50 एमएलडी के लगाए जाएंगे। गांव में पेयजल आपूर्ति करने के लिए गांव के विभिन्न स्थानों पर तीन बूस्टर की स्थापना की जाएगी ताकि हर घर तक पेयजल व्यवस्था को सुचारित की जा सके। इसके साथ ही इस योजना में पेयजल की पाइपलाइन डलवाने का प्रावधान भी है। उन्होंने बताया कि गांव में गंदे पानी की निकासी करने के लिए गांव में सीवरेज व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत पूरे गांव में सीवरेज पाइप लाइन डाली जाएगी व 2.50 एमएलडी का सीवरेज

ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा। इस योजना पर करीब 25 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च किए जाएंगें। महाग्राम में यह दोनों सुविधा प्रदान करने के लिए कार्य प्रगति पर चल रहा है।इस मौके पर जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि गांव में पेयजल संरक्षण व पेयजल बिल एकत्रित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोगों को अपने पानी के बिल ऑनलाइन भरने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा पानी बचाने के लिए नलों पर टेप लगाने के लिए जागरूक किया जा रहा है ताकि पानी को अधिक से अधिक बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम द्वारा समय-समय पर पेयजल की जांच ग्रामीण सत्र पर घर-घर जाकर की जा रही है स इसके अलावा पेयजल सोर्सेस से भी पानी की जांच विभाग के लैब में की जा रही है ताकि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

शिक्षा के साथ ही छात्रों की खेल प्रतिभा को भी निखार रहे शिक्षण संस्थान : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने आदमपुर पोलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई की वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में पहुंचकर प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

सफ़ल खेल आयोजनों के लिए उन्होंने कॉलेज स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ ही छात्रों की खेल प्रतिभा को भी निखार रहे हैं, वह अपने आप में बेहतरनी है। इससे छात्रों का सर्वांगिण विकास होता है। इसके उपरांत उन्होंने हलके के विभिन्न गांवों में अपनों के सुख दुख में शिरकत की।भव्य बिश्नोई ने बुधवार को आदमपुर एवं नलवा क्षेत्र के गांवों में जलभराव की स्थायी समस्या के समाधान के लिए करोड़ों रूपए की लागत से बनने वाली परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि मानसून के सीजन में क्षेत्र के कई गांवों में जलभराव की समस्या रहती है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की थी। विधायक रणधीर पनिहार ने भी सदन में इसको लेकर सवाल किया था। सरकार की ओर से बताया गया कि दोनों हलकों में विशेष परियोजनाएं शुरू करने के अलावा हिसार-घग्घर ड्रेन की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी, जो कि सराहनीय कदम है। इसके अलावा ढाणियों में बिजली कनैक्शन के लिए गांव से एक किलोमीटर के दायरे को पांच किलोमीटर करने व 11 सदस्यों पर बिजली यूनिट दिए जाने जैसे निर्णय भी स्वागत योग्य, किसानों के हित में लिए गए फैसले हैं। इन फैसलों का भी वे स्वागत करते हैं और तहेदिल से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हैं, क्योंकि प्रदेश में सबसे ज्यादा अगर ढाणियां कहीं है तो वह आदमपुर विधानसभा क्षेत्र है। वे मुख्यमंत्री से मांग करते आ रहे हैं कि सभी ढाणियों को 24 घंटे बिजली लाईन से जोड़ा जाए। इस दिशा में लिया गया ताजा निर्णय किसानों, ढाणियों निवासियों के हित में है।

कैथल में किसानों को राहत,17 करोड़ से होगा माइनर का पुर्न निर्माण

एजेंसी

कैथल। पूंडरी क्षेत्र के किसानों से जुड़ा अहम मुद्दा हरियाणा विधानसभा में गूंजा, जहां विधायक सतपाल जांबा ने चंदाना और थरोटा माइनर की जर्जर स्थिति का विषय प्रमुखता से उठाया। सरकार की ओर से एक अप्रैल 2026 से दोनों माइनरों के पुर्न निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू करने की घोषणा की गई है। इन परियोजनाओं पर कुल लगभग 17.14 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।विधायक ने सदन में बताया कि चंदाना माइनर पर करीब 7.52 करोड़ रुपये तथा थरोटा माइनर पर लगभग 9.62 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से दोनों माइनरों की हालत खराब होने के कारण किसानों को सिंचाई में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर फसल सीजन के दौरान पानी की आपूर्ति बाधित होने से कृषि उत्पादन प्रभावित होता है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।इस पर सरकार की ओर से मंत्री श्रुति चौधरी ने उत्तर देते हुए आश्वासन दिया कि दोनों माइनरों के पुनर्वास और मरम्मत कार्य एक अप्रैल 2026 से प्रारंभ कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

सिंचाई ढांचे को सुदृढ़ करने और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।सकारात्मक जवाब के बाद विधायक सतपाल जांबा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और मंत्री श्रुति चौधरी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और 17.14 करोड़ रुपये की यह परियोजना पूंडरी क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात साबित होगी।विधायक ने विश्वास जताया कि कार्य पूर्ण होने के बाद हजारों एकड़ भूमि को नियमित एवं पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस ने चंडीगढ़ में किया प्रदर्शन

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर वीबी-जी रामजी करने के विरोध में हरियाणा के कांग्रेस विधायकों और सांसदों ने विधानसभा कूच करने का प्रयास किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आंदोलनकारी जैसे ही चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय से विधानसभा की तरफ कूच करने लगे, चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें रोक लिया। कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बैरीकेड्स पर चढक़र आगे बढऩे का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने अपनी सख्ती से उन्हें जाने नहीं दिया। बाद में चंडीगढ़ पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, अंबाला के सांसद वरुण मुलाना, हिसार के सांसद जयप्रकाश जेपी और हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चौधरी उदयभान समेत करीब दो दर्जन विधायकों व कई जिलाध्यक्षों को हिरासत में ले लिया।हरियाणा में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों के बाद यह पहला मौका था जब राजधानी चंडीगढ़ में कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं की उम्मीद से अधिक कार्यकर्ता जुटे तो उनके प्रबंध कम पड़ गए। कांग्रेस सांसदों व विधायकों को हिरासत में लेकर चंडीगढ़ पुलिस सेक्टर तीन थाने पहुंची, जहां कांग्रेस नेता धरने पर बैठ गये। वहीं पर केंद्र व राज्य सरकार के विरुद्ध कांग्रेस नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में सभी आंदोलनकारियों को रिहा कर दिया गया। विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मजदूरों व श्रमिकों के हितों की मनरेगा योजना को खत्म कर दिया है। इस सरकार के पास कांग्रेस के कार्यकाल में शुरु की गई योजनाओं को बंद करने के अलावा कोई काम नहीं रह गया।

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली।

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्कायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली । भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ऐ शिया ट्रेवल एंड टू रिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्युं निटी काल इं डिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक

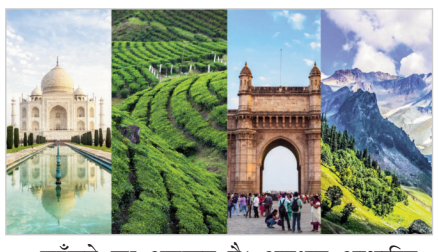

पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

नई दिल्ली । भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

लाभ और सुविधा

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अने रिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफर 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहर्ट्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

- आईपीओ का मूल्य दायरा 1287-1352 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्प्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

आरबीआई 25,000 करोड़ के बॉन्ड की दो मार्च को करेगा अदला-बदली नीलामी

मुंबई ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने दो मार्च को 25,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की अदला-बदली नीलामी करने की घोषणा की। अदला-बदली नीलामी के तहत सरकार जल्द परिपक्व होने वाले बॉन्ड को लंबी अवधि वाले नए बॉन्ड में बदलती है। इससे एक ही वित्तीय वर्ष में बड़ी रकम चुकाने का दबाव कम होता है और भुगतान की समय-सीमा आगे बढ़ती है। आरबीआई के अनुसार नीलामी सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी। नतीजे उसी दिन जारी किए जाएंगे और लेन-देन का निपटान 4 मार्च को किया जाएगा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। इस कदम का उद्देश्य उस वर्ष संभावित भुगतान दबाव को कम करना है और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। इससे पहले इस महीने दो स्विच नीलामियां हो चुकी हैं, जिनमें कुल 84,804 करोड़ रुपये के बॉन्ड का लेन-देन हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार यह रणनीति सरकार को ऋण प्रबंधन में आसानी देती है और बाजार पर अचानक बोझ को कम करती है।

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मयार्दाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भडकाने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है।

चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी को महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आजाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला में हुआ था तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गाँव में बीता, जहाँ उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी।

पाठकों को बताता चलूं कि उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और ह्यआजादह्न नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेलखाना बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आजाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड(13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में) ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

पाठक जानते होंगे कि आजाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे, और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। कहते हैं कि एक बार उन्होंने स्त्री का भेष धारण कर अंग्रेजों को चकमा दे दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें क्विक सिल्वर (पारा) कहते थे।

वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। पाठकों को बताता चलूं कि भगत सिंह उन्हें सम्मान से पंडित जी कहते थे। दोनों की जोड़ी को आग और हवा की तरह माना जाता था-जहाँ भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आजाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे।

महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। गौरतलब है कि यह संगठन 1924 में शचींद्र नाथ सान्याल सहित अन्य क्रांतिकारियों द्वारा स्थापित किया गया था। इसके प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी आदि शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई।

बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आजाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची, तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की।जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियाँ चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुँचे।

आजाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुँचे।

निष्कर्षतः, चंद्रशेखर आजाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए।

तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था। तुलसीदास जी अब प्रेम का सच्चा अर्थ समझ गये थे। तुलसीदास जान चुके थे कि वह जिस प्रेम को पाने के लिए बचैन थे वह तो क्षण भंगुर है। यह प्रेम तो संसार से दूर ले जाता है। वास्तविक प्रेम तो ईश्वर से हो सकता है जो कण-कण में मौजूद है उसे पाने के लिए बेचैन होने की जरूरत नहीं है उसे तो हर क्षण अपने पास मौजूद किया जा सकता है। इसी अनुभूति के कारण तुलसीदास राम के दर्शन पाने में सफल हुए। जिस पत्नी से मिलने के लिए तुलसी अधीर रहते थे वही उनकी शिष्य बनकर उनका अनुगमन करने लगी।

आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

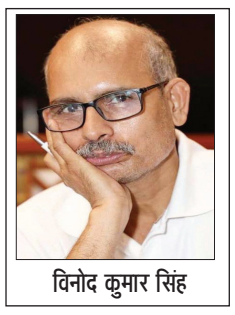

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है। आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है। सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में सहायक होगा। समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

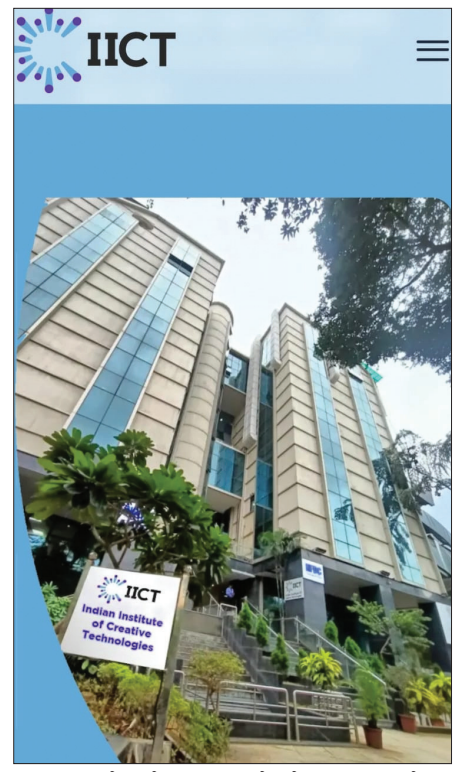

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में भीषण बाढ़, कम से कम 25 की मौत, सैकड़ों लोग विस्थापित

जुइज़ डी फोरा, एजेंसी। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में आई भीषण बाढ़ में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार सबसे ज्यादा प्रभावित मिनास गेरैस प्रांत में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है। मूसलाधार बारिश सोमवार को जुइज़ डी फोरा और उबा शहरों में शुरू हुई, जो रियो डी जनेरियो से लगभग 310 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैं। भारी वर्षा के कारण करीब 440 लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। मिनास गेरैस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि सोमवार देर रात से अब तक 43 लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। विभाग द्वारा जारी वीडियो में दोनों शहरों की जलमग्न सड़कें दिखाई गईं, जहां एक नदी ने अपना मार्ग बदल लिया।

100 साल पुराने रेस्तरां वीरास्वामी को बचाने की मांग बकिंघम पैलेस पहुंची, 20 हजार लोगों ने किया समर्थन

लंदन, एजेंसी। लंदन के प्रसिद्ध भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी को बंद होने से बचाने की मांग अब बकिंघम पैलेस तक पहुंच गई है। 20 हजार से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर किंग चार्ल्स तृतीय से हस्तक्षेप की अपील की है। रेस्तरां के कर्मचारी और समर्थक पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए और अपनी मांग रखी। याचिका की एक प्रति क्राउन एस्टेट को भी सौंपी गई, जो रीजेंट स्ट्रीट स्थित विक्ट्री हाउस इमारत का मालिक है। इसी इमारत में वीरास्वामी पिछले करीब 100 साल से संचालित हो रहा है। प्रबंधन का कहना है कि रेस्तरां मार्च 1926 में शुरू हुआ था और यह भारत-ब्रिटेन सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक बन चुका है। यहां कई प्रसिद्ध हस्तियां भोजन कर चुकी हैं। क्राउन एस्टेट का कहना है कि इमारत में बड़े स्तर पर मरम्मत की जरूरत है और जगह का उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाएगा। रेस्तरां संचालित करने वाली कंपनी ने अपने किरायेदारी अधिकार बचाने के लिए कानूनी कदम उठाए हैं। मामले में अंतिम फैसला जुलाई 2026 तक आने की उम्मीद है।

नेपाल में आम चुनाव के लिए 3 दिन होगी सार्वजनिक छुट्टी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर देश में तीन दिवसीय सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर 4, 5 और 6 मार्च को अवकाश रहेगा। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नेपाल के मधेस प्रांत से लगी भारतीय सीमा को मतदान संपन्न होने तक 72 घंटों के लिए पूरी तरह सील करने का निर्णय लिया गया है। भारत और नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह तय हुआ कि बारा और पर्सा जिलों से सटे सीमा बिंदु 3 मार्च से बंद रहेंगे। पिछले वर्ष के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद यह नेपाल का पहला चुनाव है। कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने निष्पक्ष चुनाव का भरोसा जताते हुए इसे लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य बताया है।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति को फिर मिला प्रेस विंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यालय में दोबारा प्रेस विंग स्थापित कर दिया। राष्ट्रपति का प्रेस विंग इससे पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में समाप्त कर दिया गया था। लोक प्रशासन मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मोहम्मद सरवर आलम को बंगभवन राष्ट्रपति भवन में फिर से प्रेस सचिव नियुक्त किया गया है। वह कार्यभार संभालने की तारीख से एक वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। सरवर आलम वर्ष 2024 में सत्ता परिवर्तन के समय भी प्रेस सचिव थे, लेकिन यूनुस की अंतरिम सरकार ने उनकी संविदा नियुक्ति को समाप्त कर दिया था। इसी के साथ राष्ट्रपति के उप-प्रेस सचिव और सहायक प्रेस सचिव के पद भी खत्म कर दिए गए थे। इसके अलावा, बंगभवन में करीब 30 वर्षों से कार्यरत दो फोटोग्राफरों को भी हटा दिया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा से पंजाब प्रांत तक आतंक का साया, पुलिस वैन पर हमले से सात की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में पुलिस पर हुए दोहरे हमले ने सुरक्षा हालात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम छह पुलिसकर्मियों और एक आम नागरिक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहला हमला कोहाट में एक पुलिस वाहन पर किया गया, जिसमें एक अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिकी संसद में ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाक युद्ध रुकवाया

गाजा सीजफायर को जीत बताया, ईरान पर 32000 प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। वहीं वेनेजुएला पर कब्जे के करीब डेढ़ महीने बाद वहां तेल उत्पादन में बढ़ोतरी का दावा करते हुए उसे अमेरिका का नया दोस्त करार दिया।

भाषण की बड़ी बातें... चेतावनी: ट्रम्प ने बताया कि ईरान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बना सकता है। उन्होंने कहा ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी।

दावा: भारत-पाकिस्तान जंग में 3.5 करोड़ मौतें रोकीं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है।

ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम: ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म दिया गया है।

गाजा संघर्ष विराम: ट्रम्प ने गाजा में इजराइल-हमास सीजफायर को कामयाब बताया, जिससे सभी इजराइली बंधक रिहा हो गए।

महंगाई और कीमतें: ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं।

सोमाली समुदाय और धोखाधड़ी: उन्होंने कहा कि सोमाली समुद्री लुटेरों ने रिश्वत, भ्रष्टाचार और अराजकता के जरिए मिनेसोटा को बर्बाद कर दिया।

ऑयल प्रोडक्शन: ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है।

टैरिफ और व्यापार नीति: ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15% वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही।

एनर्जी प्रोडक्शन और वेनेजुएला: ट्रम्प ने तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की बात की और वेनेजुएला को अमेरिका का नया दोस्त बताया।

वॉर ऑन फ्रॉड: ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से 'धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई' की लीडरशिप अब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी। ट्रम्प का कहना है कि ईरान ने 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला। वह अमेरिका को युद्ध में ले जाना चाहता है। ट्रम्प बोले- ईरान का न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम खत्म किया ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया।

ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह नाभिकीय हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमें वह सीक्रेट शब्द नहीं सुनाई दिए कि हम कभी एटमी हथियार नहीं बनाएंगे। ट्रम्प के भाषण के बीच कैपिटल के पास नेशनल मॉल में द पीपल्स स्टेट ऑफ द यूनियन नामक एक खुली रैली में कुछ डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य और कार्यकर्ता एकत्रित हुए हैं। आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य रिपब्लिकन प्रशासन की नीतियों का खामियों को उजागर करना है।

'जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा', अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है।

'चीन पर अमेरिका की निर्भरता सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी' : सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, 'यह कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।' उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए 'एमपी मैटेरियल्स समझौते' का जिक्र किया। हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में 'इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।

अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद: ईरानी विदेश मंत्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं।

अराघची ने कहा, 'पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा; न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे।' अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वार्ताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है। मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा।

दावा- नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ने आत्महत्या की कोशिश की

एपस्टीन फाइल में नाम आया था ; भ्रष्टाचार केस में 10 साल जेल हो सकती है

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरब्योर्न जगलैंड को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते हुई। कुछ खबरों में दावा किया गया कि नॉर्वेजियन एडिटर्स एसोसिएशन के उनके वकील के साथ मिलकर इस मामले को सार्वजनिक न करने पर सहमति जताई थी। हालांकि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्मस पर उनकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए यह खबर सामने आई। यह पूरा मामला यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से उनके संबंधों को लेकर चल रही जांच से जुड़ा है। जगलैंड पर 'एग्रेवेटेड करप्शन' यानी गंभीर भ्रष्टाचार का भी आरोप है, जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। उनके वकील की फर्म एल्डेन लॉ फर्म ने सीएनएन को पुष्टि की कि उन पर गंभीर भ्रष्टाचार

का आरोप तय हुआ है, लेकिन उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी मामले की जांच कर रही नॉर्वे की आर्थिक अपराध जांच एजेंसी 'ओकोक्रिम' इस मामले की जांच कर रही है। एजेंसी के डायरेक्टर पॉल लोनसेथ ने कहा कि उनके खिलाफ जांच की मजबूत वजह मिली है। जांच के तहत ओस्लो स्थित उनके घर और दो अन्य प्रॉपर्टी की तलाशी ली गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्हें अपने पद के दौरान गिफ्ट, यात्राएं, कर्ज या अन्य फायदे मिले थे। तलाशी के बाद उन्हें औपचारिक रूप से संदिग्ध का दर्जा दे दिया गया है और अब उनसे पूछताछ की जाएगी। जगलैंड ने कहा था- एपस्टीन से रिश्ता गलत फैसला था जगलैंड 1996-1997 के बीच नॉर्वे के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन (2009-2015) और यूरोप की मानवाधिकार संस्था काउंसिल ऑफ यूरोप के महासचिव (2009-2019) भी रह चुके हैं। जगलैंड ने कहा है कि एपस्टीन से उनके संबंध 'गलत फैसला' या 'खराब समझ' का नतीजा थे, लेकिन उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और चाहते हैं कि सच्चाई पूरी तरह सामने आए। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से 30 जनवरी को जारी दस्तावेजों से पता चला कि जगलैंड और उनका परिवार कई बार एपस्टीन की पेरिस, न्यूयॉर्क और पाम बीच वाली प्रॉपर्टी पर गए थे। यह भी सामने आया कि एपस्टीन ने उनसे बड़े नेताओं, जैसे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी। साथ ही उसने कुछ अपने कारोबारी और वित्तीय प्लान आगे बढ़ाने के लिए भी मदद चाहता था। दस्तावेजों में जगलैंड को 'नोबेल बिग शॉट' कहा गया। इसमें यह भी लिखा था कि दोनों के रिश्ते ऐसे थे जिनमें एक तरफ जगलैंड का रसूख और पहचान काम आ रही थी, तो दूसरी तरफ एपस्टीन उन्हें लग्जरी ट्रिप, तोहफे और दूसरी सुविधाएं दे रहा था।

अमेरिका में खास मेहमान बने आम लोग: ट्रंप ने एक सैनिक की पत्नी, पहली कक्षा की बच्ची का किया जिक्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में कुछ आम अमेरिकियों को खास जगह दी। उन्होंने अपनी नीतियों पर बात करने के दौरान एक छोटी बच्ची, एक सैनिक की पत्नी और एक कामकाजी महिला की कहानियों का सहारा लिया। ट्रंप ने इन मेहमानों के जरिए पिछली बाइडेन सरकार की नीतियों पर निशाना साधा और अपनी योजनाओं के फायदे गिनाए।

अवैध प्रवासी की वजह से घायल हुई बच्ची : ट्रंप ने सबसे पहले डालिला कोलमैन नाम की एक बच्ची का जिक्र किया। डालिला पहली कक्षा में पढ़ती है। वह एक भयानक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गई थी। ट्रंप ने बताया कि यह एक्सीडेंट एक सेमी-ट्रक से हुआ था, जिसे एक गैर-कानूनी विदेशी चला रहा था। उस ड्राइवर के पास कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) था।

ट्रंप ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उस ड्राइवर ने साल 2022 में बॉर्डर पार किया था और बाइडेन प्रशासन ने उसे देश में आने दिया था। इस हादसे में डालिला को दिमाग में गहरी चोट (ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी) लगी है और उसे सेरेब्रल पाल्सी हो गया है। अब उसे पूरी जिंदगी देखभाल और थेरेपी की जरूरत होगी। डालिला और उनके पिता इस कार्यक्रम में ट्रंप के साथ मौजूद थे।

सैनिक की पत्नी और आईवीएफ की चर्चा : इसके बाद ट्रंप ने कैथरीन नाम की महिला का परिचय दिया। कैथरीन एक सैनिक की पत्नी हैं और पहले स्पेशल एजुकेशन टीचर रह चुकी हैं। वह अपने काम के साथ-साथ आईवीएफ एडवोकेट भी हैं। कैथरीन खुद पिछले पांच साल से ज्यादा समय से मां न बन पाने (इनफर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रही हैं। ट्रंप ने अपनी हेल्थकेयर योजना का जिक्र करते हुए बताया कि कैथरीन फरवरी की शुरुआत में लॉन्च हुई ट्रम्प आरएक्स साइट का इस्तेमाल करने वाली पहली मरीज थीं।

टैक्स कटौती से परिवार को फायदा

इसके साथ ही में ट्रंप ने मेगन हेमहॉसर की भी कहानी सुनाई। मेगन एक बारटेंडर हैं और रात में टेबल वेटर का काम भी करती हैं। इसके अलावा वह अपने दो बच्चों को घर पर ही पढ़ाती हैं। उनके पति भारी मशीनें (इक्विपमेंट) चलाते हैं और परिवार के लिए हर हफ्ते 10 से 15 घंटे ओवरटाइम करते हैं। ट्रंप ने अपनी आर्थिक नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि 'वर्किंग फैमिलीज टैक्स कट्स' की वजह से मेगन के परिवार को बड़ा फायदा होगा। उन्हें हर साल 5,000 डॉलर से ज्यादा की एक्स्ट्रा बचत होगी। ट्रंप ने इन कहानियों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी नीतियां आम अमेरिकी परिवारों की मदद कर रही हैं।

अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टॉयलेट जाम

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टॉयलेट जाम हो चुके हैं। इससे 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टॉयलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टॉयलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टॉयलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी।

एयरक्राफ्ट पर 600 से ज्यादा टॉयलेट मौजूद : यूएसएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार ऑपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डॉलर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है।

क्या है मुसीबत की वजह बना वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम: सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टॉयलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टॉयलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है।

कैसे काम करता है : घर के टॉयलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है। बाद में उस वेस्ट को प्रोसेस या डिस्पोज किया जाता है। इसे ऐसे समझें जैसे वैक्यूम क्लीनर धूल को खींच लेता है। यहां भी वही तकनीक टॉयलेट सिस्टम में लागू होती है।

जहाजों में यह सिस्टम क्यों जरूरी : विमानवाहक पोत पर हजार से ज्यादा लोग महीनों तक समुद्र में रहते हैं। ऐसे में पानी सीमित होता है, जगह कम होती है। साथ ही पाइपलाइन सीधी नहीं, कई दिशा में जाती है। इसलिए कम पानी में काम करने वाला और लचीला सिस्टम लगाया जाता है। वीसीएचटी सिस्टम कम पानी में फ्लश कर देता है, जिससे पानी की बचत होती है। जेराल्ड आर. फोर्ड पिछले साल जून से लगातार समुद्र में तैनात है। आमतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती नौ महीने की होती है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20% था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

बर्फबारी से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित : न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकॉर्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयॉर्क सिटी में स्कूलों, सड़कों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने भी पूरे राज्य में ट्रैवल बैन लगा दिया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा की और नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा है।

न्यूयॉर्क में ट्रेन सेवा भी सस्पेंड रही : तूफान का असर सिर्फ सड़कों और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवा सोमवार रात तक सस्पेंड रही। थिएटर ब्रॉडवे के सभी शो रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह पिछले लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान है। कई इलाकों में प्रति घंटे 2 से 3 इंच तक बर्फ गिरने की चेतावनी दी गई है और हवा की रफ्तार कुछ जगह 110 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई। नॉरईस्टर एक तरह का तेज तूफान होता है जो अमेरिका के पूर्वी तट पर आता है। इसे नॉरईस्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि इसमें हवाएं आमतौर पर उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) दिशा से चलती हैं।

गर्म और नम हवा मिलकर बनाती है यह तूफान : अमेरिका के उत्तर-पूर्व में आने वाला यह विंटर स्टॉर्म इसलिए बनता है क्योंकि वहां मौसम की कुछ खास स्थितियां एकसाथ बन जाती हैं। सर्दियों में कनाडा की तरफ से बहुत ठंडी हवा नीचे की ओर आती है। उसी समय समुद्र की तरफ से हल्की गर्म और नम हवा ऊपर उठती है। जब ये दोनों आमने-सामने आती हैं तो मौसम अचानक बिगड़ जाता है और तेज बर्फीला तूफान बन जाता है। समुद्र भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। अटलांटिक महासागर का पानी ठंड के मुकाबले थोड़ा गर्म रहता है। इससे हवा में नमी बढ़ती है। जब यह नमी ठंडी हवा से मिलती है तो भारी बर्फ गिरने लगती है। आसमान में तेज रफ्तार से चलने वाली हवाएं भी इस सिस्टम को और ताकत देती हैं। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। स्थिति इतनी गंभीर रही कि 153 साल के इतिहास में पहली बार 'द बोस्टन ग्लोब' अखबार का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंच ही नहीं पाए।

वेजिटेबल खाओ, हेल्दी रहो

हेल्थ प्लस

लोग हेल्दी होने के लिए पता नहीं क्या-क्या खाते हैं? जबकि सचाई यह है कि अगर सही तरीके से हरी सब्जियां भी खा ली जाएं, तो इंसान पूरी तरह हेल्दी रह सकता है। मटर, गाजर और पालक जैसी सब्जियां भी हमारी बॉडी के लिए काफी हेल्दी होती हैं :

कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो कितना भी खा लें लेकिन उनकी बॉडी पर उसका जरा भी असर नजर नहीं आता। वहीं ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो बहुत कम खाकर भी हेल्दी रहते हैं। दरअसल, यह सब इस चीज पर डिपेंड करता है कि आप क्या खाते हैं। दरअसल, हम लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती कि हमारी बॉडी के लिए क्या चीज फायदेमंद रहेगी और क्या नुकसानदायक। इसी जानकारी के अभाव में कई बार हम कुछ भी खा लेते हैं। आइए आपको देते हैं कुछ ऐसी ही चीजों की जानकारी, जो हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं।

मटर

मटर न सिर्फ किसी सब्जी का जायका बढ़ा देती हैं, बल्कि यह एक ऐसी सब्जी है, जिसमें प्रोटीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। आपको बता दें कि ऐसी बहुत कम सब्जियां हैं, जिनमें इतना ज्यादा प्रोटीन पाया जाता हो। इसके अलावा, मिल्क, टोफू, योगहर्ट और सोया प्रोटीन के रिच सोर्स हैं। खुद को फिट रखने में इन चीजों का सेवन बेहद फायदेमंद होता है।

जिमीकंद

इसमें बहुत मात्रा में स्ट्रार्च पाया जाता है। इसलिए आप इसकी जगह आलू भी खा सकते हैं। दरअसल, आलू, जिमीकंद और अरबी में स्टार्च की मात्रा बराबर होती है। एक्सपर्ट कहते हैं कि उबकाई या उल्टी की शिकायत होने पर जिमीकंद खाना फायदेमंद रहता है। इसमें कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो कैंसर होने से बचाते हैं। ये तत्व अरबी और आलू में मौजूद नहीं होते।

गाजर

गाजर विटामिंस का अच्छा सोर्स हैं। अगर आपको यह खाना पसंद नहीं है, तो दूसरी कई और सब्जियां हैं, जिनमें यह तत्व खूब पाया जाता है। इसकी जगह आप मेथी के ऑप्शन पर जा सकते हैं।

कॉलेस्ट्रॉल को कम करने में मेथी का उपयोग फायदेमंद होता है। इसके अलावा, मेथी का इस्तेमाल डाइजेशन, पेट का इंफेक्शन, माउथ अल्सर और डायबिटीज आदि में बेहद फायदेमंद होता है। खासतौर पर प्रेग्नेंसी के दौरान इसका सेवन बच्चे और मां दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्प्रिंग ओनियन

प्याज विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। अगर आप किसी वजह से इसे नहीं खाना चाहते , तो हरी पत्तेदार सब्जियां , वीट ब्रेड , लेंटिस , ब्रान फ्लेक्स और ब्राउन राइस के ऑप्शन पर जा सकते हैं। ये सभी चीजें फाइबर्स से भरपूर हैं और बाउल मूवमेंट में फायदेमंद होती हैं। विटामिन सी पाने के लिए आप टमाटर , स्वीट लाइम , ऑरेंज , बेल पीपर्स , कैबेज और दूसरे सिटरस फ्रूट्स के ऑप्शन पर भी जा सकते हैं।

पालक

पालक फाइबर और पोटैशियम का सबसे अच्छा सोर्स है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बेहद कम दामों पर उपलब्ध है। हालांकि इसको रिप्लेस करना बेहद मुश्किल है , लेकिन आप चाहें तो इसकी जगह फूल गोभी , लौकी और परवल के ऑप्शन पर जा सकते हैं। पालक की तरह ही इनमें भी पर्याप्त फाइबर्स पाए जाते हैं। पोटैशियम पाने के लिए आप अपने खाने में टेमरिंड भी मिला सकते हैं। टेमरिंड सस्ता और हेल्दी है , जबकि लेमन आपको महंगा पड़ेगा।

नींबू

इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। नींबू के नियमित इस्तेमाल से स्किन और बाल ग्लो करते हैं। इसमें आयरन की मात्रा भी काफी होती है। हां , अगर आप नींबू नहीं लेना चाहते , तो आप आंवले से भी इतनी ही मात्रा में विटामिन सी पा सकते हैं। आंवला नींबू से सस्ता होता है , लेकिन विटामिन सी से भरपूर होता है।

इसमें आयरन और एंटी ऑक्सिडेंट बेहद मात्रा में होते हैं , जो उम्र बढ़ने वाले रेडिकल्स से आपको बचाए रखते हैं। ये नेचरल कूलेंट का काम करते हैं , इसलिए स्किन को भी हानिकारक टॉक्सिन से बचाते हैं। अगर किसी डिशेज में आप लेमन जूस डालना है , तो उसके साथ थोड़ा वाइट विनेगर जरूर डा लें।

बच्चों की आंखों को दें स्पेशल केयर

अगर आप सोचते हैं कि आंखों की परेशानियां एक उम्र के बाद ही शुरू होती हैं, तो आपकी सोच गलत है। बच्चों को भी आंखों की तमाम परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यहां तक कि न्यू बॉर्न बेबी की आंखों में भी प्रॉब्लम आ सकती है और समय रहते इलाज न होने पर उसकी जिंदगी में अंधेरा छा सकता है। बेहतर तो यह है कि बच्चे के जन्म से ही उनकी आंखों का पूरा खयाल रखा जाए:

आंखें ऊपर वाले की अनमोल नियामत हैं। आमतौर पर पैरंट्स छोटे बच्चों की डाइट और हेल्थ पर ही फोकस करते हैं, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि आंखें भी जिंदगी के लिए काफी अहम हैं। अगर आंखों की परेशानियों पर समय रहते फोकस नहीं किया गया, तो परमानेंट विजन लॉस, पढ़ने में परेशानी और आंखों का कम विकास जैसी परेशानियां आ सकती हैं।

आई चेकअप जरूरी

वैसे भी, बच्चे अपनी परेशानियों को बताने में सक्षम नहीं होते, इसलिए उनका रेग्युलर चेकअप और भी ज्यादा जरूरी है। इस तरह, बच्चों के लिए जिम्मेदार लोग (पैरंट्स, ग्रैंड पैरंट्स और टीचर) उनकी विजन प्रॉब्लम्स को लेकर सजग रहें, यह बेहद जरूरी है।

बच्चे का जन्म के तुरंत बाद, एक साल का होने पर, तीन साल का होने पर और पांच साल का होने पर, चेकअप कराना जरूरी है। उसके बाद उसका हर साल आई चेकअप कराना चाहिए।

समझें परेशानियां

अगर आपका तीन महीने से ज्यादा उम्र का बच्चा चीजों को फॉलो नहीं करता और आई कॉन्टेक्ट नहीं बनाता, तो यह आपके लिए खतरे की घंटी हो सकती है। उसकी आंखों से लगातार पानी आ रहा है, आंखों में लाली है, लाइट को लेकर वह सेंसिटिव है, तो आपको सचेत होने की जरूरत है। बच्चा लगातार आंखों को मलता रहता है, ब्लैकबोर्ड को देखने पर सिर में दर्द की शिकायत करता है और स्कूल में पुअर परफॉर्म कर रहा है, तो आपको तुरंत उसका आई चेकअप कराने की जरूरत है।

खासतौर पर अगर किसी बच्चे को आई प्रॉब्लम की फैमिली हिस्ट्री है, तो उसका रेग्युलर चेकअप होना ही चाहिए।

सॉल्यूशन तो है

रेफ्रेक्टिव एरर बच्चों में कॉमन प्रॉब्लम है, जिसे चश्मे की सहायता से दूर किया जा सकता है। और तो और कई बार बच्चों को भी चश्मा लगवाने की जरूरत पड़ जाती है। अगर बच्चों को चश्मा लगाने की नौबत आती है, तो उनके लिए प्लास्टिक के फ्रेम में पॉलीकार्बोनेट लेंस और इलास्टिक स्ट्रेप वाले चश्मों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

अगर पैरंट्स को बच्चे के इधर - उधर या ऊपर - नीचे देखने में कोई प्रॉब्लम या भैंगेपन जैसी कोई प्रॉब्लम नजर आती है , तो उन्हें तुरंत आई स्पेशलिस्ट से कंसल्ट करना चाहिए। यह सिर्फ एक मिथ है कि बच्चे की नजर उम्र के साथ बढ़ती है। सच्चाई यह है कि इस तरह की परेशानियों को ग्लासेज, एक्सरसाइज और सर्जरी की मदद से दूर किया जा सकता है।

एम्ब्लीयोपिया में नॉर्मल दिख रहीं आंखों की नजर कमजोर हो जाती है। अक्सर यह एक आंख का नंबर बढ़ने या फिर आंखों में भैंगेपन की वजह से हो जाता है। इसे आठ साल की उम्र से पहले डिटेक्ट कर लिया जाना चाहिए , वरना विजुअल लॉस भी हो सकता है।

बेशक अगर आप डॉक्टर से रेग्युलर टच में रहते हैं , तो आपको इस तरह की परेशानियों से निजात मिल सकती है। आमतौर पर न्यू बॉर्न बेबीज की आंखों में पानी आने की शिकायत को मसाज और आई ड्रॉप की सहायता से दूर किया जाता है। इसके अलावा , कॉन्जिनिटल कैट्रेक्ट और ग्लूकोमा की परेशानी को सर्जरी की सहायता से जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए , वरना हमेशा के लिए आंखें जा सकती हैं।

प्रीमैच्योर और जन्म के वक्त कम वजन वाले बच्चों का इस मामले में खास खयाल रखने की जरूरत होती है। रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी इस मामले में बेहद कारगर है।

जरूरी बातें

- अगर बचपन में बच्चे में आंखों में किसी तरह की इंजरी हो जाए , तो उससे काफी नुकसान हो सकता है।
- ध्यान रखें कि बच्चे को पटाखों से बचाएं और उन्हें नुकीले खिलौने ना दें।
- साफ - सफाई के स्प्रे और डियॉडरेंट को भी उनकी पहुंच से दूर रखें।
- कई बार बच्चों को खेल के दौरान भी चोट लग जाती हैं , इसलिए उन्हें पूरी तरह प्रोटेक्ट करके ही खेलने भेजें।
- अगर आप बच्चों की आई प्रॉब्लम्स को इग्नोर करते हैं , तो हो सकता है कि इसकी वजह से आपको और बच्चे को बाद में ज्यादा परेशानी झेलनी पड़े। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप उसका आई स्पेशलिस्ट से रेग्युलर आई चेकअप करवाते र हें।

गुणकारी अदरक

अदरक को एक प्रमुख औषधि के रूप में माना गया है। यह शक्ति और स्फूर्ति का अनमोल खजाना है। अदरक के सेवन से कई आम बीमारियां दूर हो सकती हैं।

अजीर्ण

- अदरक के छोटे टुकड़े में नींबू की आठ-दस बूंदें और चुटकीभर सेंधा नमक डालकर खाएं।
- अगर अजीर्ण के साथ पेट में दर्द भी उठे तो 10 ग्राम अदरक का रस और 10 ग्राम कैस्टर ऑयल मिलाकर पीएं। इससे जी मिचलाए तो एक कप पानी में दालचीनी उबालकर घूंट-घूंट पीने से आराम मिलता है।

अपच व अफरा

- अपच होने पर अदरक का रस शहद में मिलाकर चाटें।
- अपच व अजीर्ण होने पर आफरा होता है। ऐसा होने पर अदरक, हरड, बहेड़ा, आंवला, सोंठ, कालीमिर्च, पीपल 4-4 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम गुड़ में पीस लें। इसे 100 ग्राम पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पीएं।

खांसी और जुकाम

- गर्म पानी में अदरक का रस मिलाकर मिश्री या नमक घोलकर पीने से जुकाम ठीक हो जाता है।
- नाक बहने पर सोंठ का पाउडर पानी में डालकर उबालें और मिश्री डालकर पीएं। शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से भी जुकाम ठीक होता है।

गले का रोग

- 10 ग्राम अदरक के रस में समान मात्रा में शहद मिलाकर चाटने से गले के सभी रोग दूर होते हैं।

खून की खराबी

- अदरक की फांकों को नींबू के दो बूंद रस में भिगो दें। नमक और पीसी हुई कालीमिर्च मिलाकर खाएं। एक गांठ अदरक सुबह-शाम खाने के साथ लें, खून की खराबी दूर हो जाएगी।

गठिया

- यदि गठिया रोग की शुरुआत ही है तो 10 ग्राम सोंठ पीसकर 100 ग्राम पानी में उबालें। तीन हिस्सा पानी सूख जाने पर पीएं।
- जोड़ों का दर्द होने पर सरसों के तेल में थोड़ा-सा अदरक का रस मिलाकर मालिश करने से लाभ होगा।
- 24 ग्राम सोंठ, 100 ग्राम हरड और 15 ग्राम अजमोद- इन सबको बारीक पीस लें। दस ग्राम सेंधा नमक मिला लें। 3-3 ग्राम सुबह और शाम गर्म पानी के साथ लें। जोड़ों के दर्द से आराम मिलेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2030

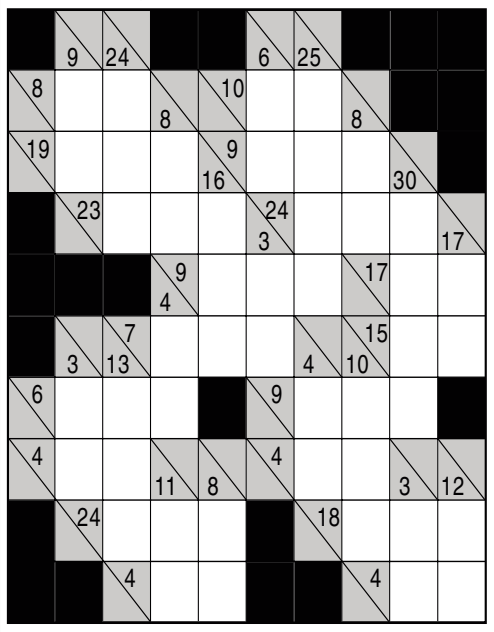

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

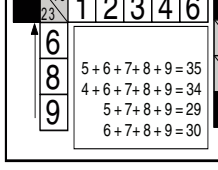

काकुरो - 2029 का हल

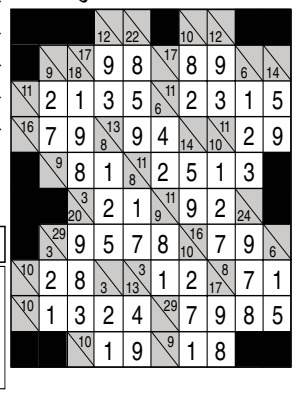

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2030

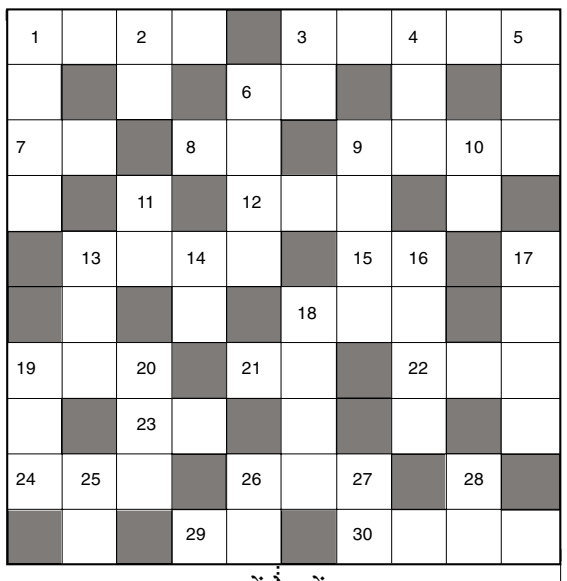

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तान' में रजिया सुल्तान की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

सूडोकु -2030

	9	7			6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2029 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली -2030

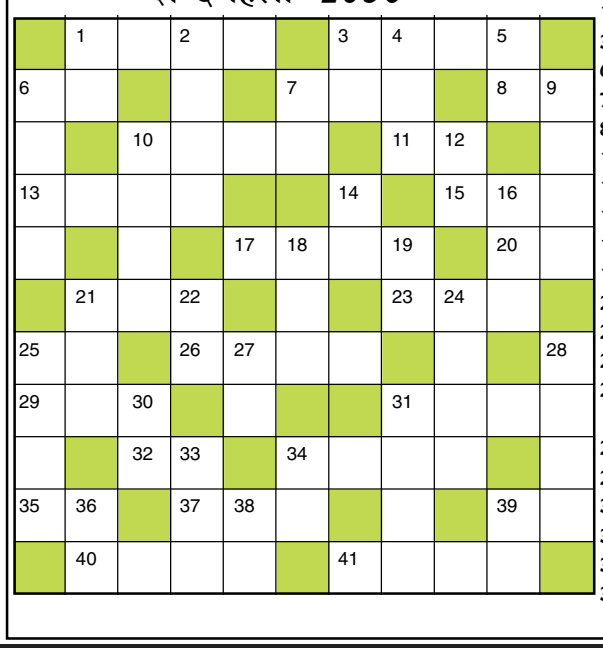

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2029 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		हि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	मौ	प	दे	श	क

मनाली में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी

कुल्लू। पर्यटन नगरी मनाली में घूमने आए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, चंपाई सोरेन का पोता वीर सोरेन अपने मित्रों के साथ 22 फरवरी को मनाली घूमने आया था। वे सभी सिमसा में हिमालयन सैलेट होम स्टे में ठहरे हुए थे। 23 फरवरी को सभी सोलंग/सेथन क्षेत्र घूमने गए थे तथा शाम को पुनः होम स्टे में वापस पहुंच गए थे। मंगलवार को भी सभी होम स्टे के आसपास घूमकर लगभग 12:30 बजे वापस लौटे तो वीर सोरेन सोया हुआ था। उठाने पर उसने बताया कि उसके सिर में अत्यधिक दर्द हो रहा है। जिस पर साथियों ने ब्लिंकीट के माध्यम से ऑनलाइन दवाई मंगवाकर उसे दी, जिसके बाद वह पुनः सो गया। डीएसपी मनाली क्षमादत्त शर्मा ने बताया कि उसके दोस्त अग्नय निवासी उत्तरप्रदेश के अनुसार करीब 02:30 बजे कमरे से गिरने की आवाज आई। कमरे में जाकर देखा तो वीर सोरेन बेड से नीचे गिरा पड़ा था। तत्पश्चात उसे कृतिन शर्मा की गाड़ी से अस्पताल मनाली लाया गया। अस्पताल लाते समय उसके मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों ने काफी देर तक सीपीआर दी गई, परंतु जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

राजद विधायक सुनील कुमार ने दी चुनौती, बोले- विधानमंडल परिसर में करा दूंगा शराब की डिलीवरी

पटना। बिहार में विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष के कई विधायक शराबबंदी कानून की समीक्षा की लगातार मांग कर रहे हैं। इस बीच, राजद के विधान पार्षद सुनील कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिहार में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां शराब नहीं मिलती है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि बजट सत्र के अंतिम दिन वे विधानमंडल परिसर में शराब की डिलीवरी करा कर दिखा देंगे। विधानमंडल परिसर में पत्रकारों से बातचीत में राजद अध्यक्ष लालू यादव के करीबी माने जाने वाले सुनील कुमार ने दावा करते हुए कहा कि 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में शराब की खपत कम होने के बजाय कई गुना बढ़ गई है और अब शराब से ज्यादा 'सूखा नशा' युवाओं को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और नेपाल देश हैं, जहां शराबबंदी नहीं है। ऐसे में कोई कल्पना नहीं कर सकता है कि बिहार में शराब नहीं आएगी। आज युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। जिन्हें शराब नहीं मिलती, वे सूखे नशा के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि सूखे नशा की जो खपत पंजाब, मुंबई और पुणे में होती है, उससे ज्यादा आज बिहार में सूखे नशा का व्यापार हो गया है।

रोहित पवार ने अजित पवार के प्लेन क्रैश से जुड़ी फर्म को बचाने का लगाया आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के विमान हादसे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय पर गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा है कि 28 जनवरी को हुई घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी 'वीएसआर' को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में टाइम लिमिट और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हादसे के दिन जब अजित पवार का शव अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए रखा था, उसी समय दोपहर 1:36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार के अनुसार, उस रिपोर्ट में कहा गया कि फरवरी में वीएसआर कंपनी का ऑडिट किया गया था और उसमें 'लेवल-1 सुरक्षा कमी' नहीं पाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री राममोहन नायडू ने भी उसी दिन बयान जारी कर विमान और पायलट को लगभग क्लीन चिट दे दी, जबकि जांच पूरी भी नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि बाद में आई डीजीसीए की रिपोर्ट में कई गंभीर खामियों का जिक्र किया गया, जिसे उन्होंने 'आंशिक सफलता' बताया। विशेष ऑडिट में उड़ान से पहले आवश्यक दस्तावेजों की कमी, मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का उल्लंघन और संचालन प्रबंधन में लापरवाही जैसी बड़ी कमियां सामने आईं।

अनुराग ठाकुर ने बताया 'राहुल' का मतलब, कांग्रेस सांसद पर देश की छवि धूमिल करने का आरोप

कांगड़ा । भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके हैं। कांगड़ा में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता पर कई गंभीर आरोप लगाए। सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। वह भारत विरोधी एजेंडा चलाते हैं, नेगेटिव पॉलिटिक्स को बढ़ावा देते हैं और अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। अब उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, कन्फ्यूजन पैदा करना, भारत को बदनाम करना और मोदी विरोधी पॉलिटिक्स करना है। जब भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ रही है, तो वह इसे 'डेड इकॉनमी' कहते हैं। उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया ने एआई समिट की तारीफ की, वहां राहुल गांधी के इशारे पर उनके कार्यकर्ता शर्टलेस प्रोटेस्ट कर देश की छवि को धूमिल करने की कोशिश की। क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से तय हो रही है। कांग्रेसी विदेशियों का एजेंडा चला रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जॉर्ज सोरेस के कहने पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी फाउंडेशन में चंदा ले रही है और फिर चीन का गुणगान कर रही है।

गारंटी कर्नाटक सरकार पर बोझ हैं, लेकिन लोगों को मेंटल स्ट्रेस नहीं देंगे: डीके शिवकुमार

एजेंसी

बेंगलुरु । भाजपा की इस आलोचना के बीच कि कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी कर्नाटक को दिवालिया होने की ओर धकेल रही हैं, डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार ने 'कुसुमा संजीविनी' पहल को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल हीमोफीलिया के मरीजों को बचाव का इलाज देती है। उन्होंने कहा कि हालांकि ये योजनाएं बोझ हैं, लेकिन सरकार यह पक्का करना चाहती है कि पैसे की दिक्कतों की वजह से लोगों को मेंटल स्ट्रेस न हो। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने बेंगलुरु के नेहरू प्लेनेटेरियम में हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट के एक इवेंट में कुसुमा संजीविनी पहल के तहत हीमोफीलिया के मरीजों के लिए प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट और 108 एम्बुलेंस सर्विस का उद्घाटन करने के बाद यह बयान दिया। लोगों को संबोधित करते

हुए उन्होंने कहा कि हमने पांच गारंटी दी हैं, जिसमें महिलाओं के लिए फ्री बस सर्विस, फ्री बिजली और 2 हजार रुपए की फाइनेंशियल मदद शामिल है। हमने ये फायदे दिए हैं, भले ही ये राज्य सरकार पर बोझ हैं। उन्होंने कहा कि हम यह पक्का करना चाहते हैं कि लोगों को फाइनेंशियल दिक्कतों की वजह से मेंटल स्ट्रेस न हो। अगर आपको भरोसा है, तो लोग मदद के लिए आगे आएंगे। सरकार ने लोगों में फाइनेंशियल भरोसा और मेंटल ताकत पैदा करने का फैसला किया है ताकि वे फाइनेंशियली मजबूत बन सकें। हीमोफीलिया के बारे में बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि यह एक गंभीर बीमारी है और आज यहां मरीज, रिसर्चर और डॉक्टर इकट्ठा हुए हैं। यह एक खास दिन है। हमारा मानना ??है कि आपकी ज़िंदगी मज़बूत होनी चाहिए। कोई भी बच्चा या इंसान ऐसी बीमारियां नहीं चाहता; यह कुदरत का नियम है। इसमें बच्चों या उनके माता-पिता की कोई गलती नहीं है। हमें यह मानना होगा। हेल्थ मिनिस्टर दिनेश गुंडू राव ने बताया है कि हर महीने एक इंजेक्शन की कीमत लगभग 50 हजार रुपए है और हर मरीज पर सालाना 5 लाख रुपए का खर्च आता है। खर्च तो होने दो, यह कोई मुद्दा नहीं है। इस बीमारी से परेशान लोगों को खुद को लाचार महसूस नहीं करना चाहिए।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में कार्यकर्ताओं ने रोकी रेल

एजेंसी

शिवाजी ब्रिज। एआई शिखर सम्मेलन में अर्धनग्न प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किए गए भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभानु चिब के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने शिवाजी ब्रिज रेलवे स्टेशन पर रेल रोको आंदोलन किया। प्रदर्शन के दौरान कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पटरियों पर उतर गए और नई दिल्ली की ओर जा रही मेमू ट्रेन को रोक दिया। कुछ कार्यकर्ताओं ने ट्रेन के सामने बैठकर और कुछ ने इसके अगले हिस्से पर चढ़कर नारेबाजी की। भारतीय युवा कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि अध्यक्ष उदयभानु चिब और अन्य साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में रेल रोको आंदोलन कर स्पष्ट संदेश दिया गया है। पोस्ट में कहा गया कि जब लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाने की कोशिश होती है तो प्रतिरोध और व्यापक होता है। संगठन ने मांग की कि अध्यक्ष और सभी साथियों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए। इससे पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आईवाईसी कार्यालय में शांतिपूर्ण सत्याग्रह में भाग लिया। वहीं, एआईसीसी सचिव कुसुमा कुमार और ओडिशा कांग्रेस प्रभारी अजय लल्लू भी मुख्यालय में चल रहे न्याय सत्याग्रह में शामिल हुए।

बिहार में अपराधी बेलगाम, सरकार में कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं: तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी न मुख्यमंत्री ले रहे हैं और न ही दोनों उपमुख्यमंत्री। बिहार विधानमंडल परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर आरोप लगाया कि अपराधियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। अपराधी बेलगाम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं और सरकार का कोई इकबाल नहीं रह गया है। अपराधी पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और जिसे मन कर रहा है, वह गोली मार दे रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है और आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। राजद नेता ने कहा, 'प्रदेश में अपराधिक घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कानून व्यवस्था प्रदेश में पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। अपराधी इस मौजूदा सरकार में राज कर रहे हैं। अपराधी जो करना चाह रहे हैं

वह कर रहे हैं। ' नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज वे सबसे कमजोर स्थिति में हैं। उनको कुछ याद नहीं रहता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार ने अब तक मुख्यमंत्री रहते हुए कभी गृह मंत्रालय किसी और को नहीं सौंपा था, लेकिन अब उनसे गृह मंत्रालय ले लिया गया है।

उन्होंने कहा कि जो लोग चीख-चीखकर अपराध की बात करते हैं वे आईना देखें कि उनके शासनकाल में अपराध किस तरह बढ़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार के सीमांचल दौरे को लेकर सवाल पर राजद नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर यह सब कवायद है। घुसपैठ कोई मुद्दा ही नहीं है। तेजस्वी ने सीधे आरोप लगाया कि इससे पहले भी झारखंड और बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी यह मुद्दा उठाया गया था।

मणिपुर में तीन पीएलए, दो प्रीपाक एवं एक प्रीपाक (प्रो) समेत 6 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चलाए गये अभियान के दौरान तीन पीएलए, दो प्रीपाक एवं एक प्रीपाक (प्रो) उग्रवादी संगठन के कुल 6 कैडरों को गिरफ्तार किया गया है।

मणिपुर पुलिस ने बताया कि बीते सुरक्षा बलों ने तेंगनोपाल जिले के मोरे थानांतर्गत यांगोबुंग के बीच बार्डर पोस्ट (बीपी) 72-73 के सामान्य क्षेत्र से पीएलए के तीन कैडर और प्रीपाक (प्रो) के एक कैडर को गिरफ्तार किया गया।

आरोपितों की पहचान इंफाल ईस्ट जिले के ताकेल माखा लाईकाई निवासी पीएलए कैडर चालम्बा ताक्खेलम्बम (23), इंफाल ईस्ट जिला आइंगांगपोकी निवासी पीएल कैडर सौग्राकपम ओजित (33), काकचिंग जिला के चाइरन माखा लाईकाई निवासी पीएलए कैडर सोरोकाइबम मणिमातुम (18) और इंफाल ईस्ट जिला के नॉन्गमेइबुंग निवासी प्रीपाक (प्रो) कैडर याम्बेम लुखोई (21) के रूप में की गयी है।

वहीं दूसरी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर सोरोखाईबम इनावटों सिंह

उर्फ नोजान (39) को गिरफ्तार किया गया। उसे इंफाल वेस्ट जिला के लमसांग थानांतर्गत लमसांग थोंग मैनिक स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किया गया। जबकि, तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर सागोल्शेम जॉन सिंह (43) को पकड़ा गया। वह थौबल जिला के थोउबल हाओखा मामांग लाइकाई का निवासी है। उसे उसके आवास वाले क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित के कब्जे से एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड, एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया।

पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता, क्रॉस-बॉर्डर ड्रग और हथियारों की तस्करी करने वाले कार्टेल का भंडाफोड़ किया

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने सीमा पार से होने वाली ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी जानकारी दी। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके जानकारी दी कि स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), फाजिल्का ने एक खास टिप-ऑफ पर आधारित सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए क्रॉस-बॉर्डर ड्रग और हथियार तस्करी के एक बड़े कार्टेल का भंडाफोड़ किया। इस ऑपरेशन में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 2.102 किलोग्राम हेरोइन, 7 पिस्टल (जिनमें एक ग्लॉक 9 एमएम, .30 बोर की चार पिस्टल और 9 एमएम की दो पिस्टल शामिल हैं) और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। शुरुआती जांच में पता चला

है कि यह हेरोइन और हथियारों की खेप पाकिस्तान स्थित स्मगलर्स से मंगाई गई थी, जिसका मकसद पंजाब में आपराधिक गतिविधियां बढ़ाना और अस्थिरता पैदा करना था। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में पीएस एसएसओसी, फाजिल्का में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आगे की जांच में इस नेटवर्क के पीछे और आगे के लिंकेज का पता लगाया जा रहा है। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया कि वह क्रॉस-बॉर्डर स्मगलिंग नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने और एक सुरक्षित, नशा मुक्त पंजाब बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

यह घटना पंजाब में चल रहे नशा विरोधी अभियान का हिस्सा है, जहां हाल के महीनों में कई बड़ी कार्रवाइयां हुई हैं। उदाहरण के लिए, जनवरी 2026 में फाजिल्का के पास ही बीएसएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लगभग 2.1 किलोग्राम हेरोइन के साथ 21 अत्याधुनिक पिस्टल (जिनमें ग्लॉक, बेरेटा, जिगाना आदि शामिल) और सैकड़ों कारतूस बरामद हुए थे।

उस ऑपरेशन में पाकिस्तानी स्मगलर्स ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके खेप पहुंचाने की कोशिश की थी, लेकिन काउंटर इंटेलिजेंस और तकनीकी इनपुट्स से इसे नाकाम कर दिया गया। पुलिस ने इसे आईसीआई समर्थित साजिश बताया, जिसका उद्देश्य राज्य में गैंगस्टर हिंसा बढ़ाना था।

पंजाब में ड्रोन, पैदल और अन्य तरीकों से पाकिस्तान से हेरोइन और हथियारों की तस्करी लंबे समय से समस्या बनी हुई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश पर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' जैसे अभियान चलाए हैं, जिनमें हजारों छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

संजय लीला भंसाली की सेहत पर टीम ने दी सफाई, बताया पूरी तरह स्वस्थ

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली को लेकर हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली हार्ट अटैक की खबरें पूरी तरह अफवाह साबित हुई हैं। उनके 63वें जन्मदिन के मौके पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री उन्हें बधाई दे रही थी, लेकिन अचानक इंटरनेट पर यह दावा वायरल हो गया कि जश्न के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस खबर से उनके प्रशंसकों और इंडस्ट्री में चिंता का माहौल बन गया। वायरल रिपोर्ट्स में कहा गया था कि 24 फरवरी को जन्मदिन समारोह के दौरान भंसाली को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें तुरंत मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, इन

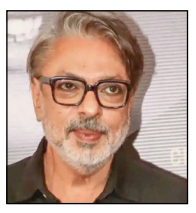

खबरों पर जल्द ही विराम लग गया, जब भंसाली की टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर सभी दावों को खारिज कर दिया। टीम ने स्पष्ट किया कि ये खबरें पूरी तरह झूठी और निराधार हैं तथा भंसाली पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपने काम में व्यस्त हैं। संजय लीला भंसाली भारतीय सिनेमा में अपनी भव्य और 'लार्जर दैन लाइफ' फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास' और 'बाजीराव मस्तानी' जैसी चर्चित फिल्मों के साथ हालिया सीरीज '' के जरिए दर्शकों का दिल जीता है। उनकी टीम ने एक बार फिर दोहराया है कि स्वास्थ्य को लेकर फैलाई जा रही सभी खबरें बेबुनियाद हैं और प्रशंसकों को ऐसी अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

धनबाद सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप, सुरक्षा हुई सख्त

एजेंसी

धनबाद। झारखंड में न्यायालय और प्रशासनिक परिसरों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामला धनबाद का है, जहां अज्ञात शरारती तत्व ने धमकी भरा ई-मेल भेजकर सिविल कोर्ट परिसर में बम लगाए जाने का दावा किया। सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ई-मेल से धमकी की जानकारी मिलते ही जिला जज और पुलिस प्रशासन को अवगत कराया गया। एहतियातन पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया गया तथा वकीलों, मुवक्किलों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचकर सघन तलाशी अभियान में जुट गया। कोर्ट के सभी प्रवेश द्वारों को सील कर दिया गया और हाजत, कोर्ट रूम, वकीलों के चैंबर तथा अन्य संवेदनशील स्थलों की बारीकी से जांच की गई।

हर ग्राम पंचायत में गौ अभयारण्य बनाने की मांग, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

लालसोट। प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत की गोचर भूमि में गौ अभयारण्य विकसित करने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 20 दिसंबर 2025 को अखिल भारतीय अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह का आयोजन अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ था। समारोह के दौरान वक्ताओं ने मध्यप्रदेश की तर्ज पर राजस्थान की प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौ अभयारण्य स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया था। ज्ञापन में कहा गया कि पूर्वजों द्वारा संरक्षित गोचर भूमि का उद्देश्य गौवंश को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना था, लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण और अव्यवस्था के कारण बेसहारा गौवंश सड़कों और खेतों में भटक रहा है। इससे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। किसानों को खेतों की तारबंदी और रातभर रखवाली के बावजूद समस्या से राहत नहीं मिल पा रही है। ज्ञापन

में सुझाव दिया गया कि 'विकसित भारत-जी रामजी' अभियान के अंतर्गत गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाकर प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सुनियोजित गौ अभयारण्य विकसित किए जाएं। इससे गौवंश को स्थायी आश्रय मिलेगा, प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही फसल क्षति व सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद जताई गई।

इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, महाराज, संतोष देवी, वेद प्रकाश शर्मा, अजीब अंजुम, श्यामसुंदर शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे। ज्ञापन में राज्यपाल से शीघ्र सकारात्मक पहल कर आवश्यक नीति निर्माण करने की मांग की गई।

कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय : दो से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायतीराज और नगरपालिका चुनाव

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में विधानसभा सचिवालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने, राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कैबिनेट बैठक के बाद विधानसभा में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-19 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा-24 में संशोधन कर राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इससे जिन व्यक्तियों के दो से अधिक संतान हैं वे पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि दो से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने का प्रतिबंध उस समय लागू किया गया था, जब जनसंख्या विस्फोट पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता थी। वर्ष 1991-94 के बीच प्रजनन दर

3.6 थी, जो वर्तमान में घटकर 2 रह गई है। ऐसे में इन प्रावधानों का प्रत्यक्ष प्रभाव अब कम होता जा रहा है। पटेल ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनुपालना में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 24 में संशोधन कर धारा 2 को संशोधित करते हुए शब्द कुष्ठ रोग को खतरनाक रोग की श्रेणी से हटाया गया है। जिससे नगरपालिका के आगामी चुनाव में सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने का समान अवसर मिल सकेगा और कुष्ठ रोगियों का सम्मान भी सुनिश्चित हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि आर्थिक अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय मंत्रिमण्डल में किया गया। उन्होंने बताया कि इससे रियल एस्टेट में धोखाधड़ी, बैंक-बीमा-एनबीएफसी एवं शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय अपराध, मल्टी लेवल मार्केटिंग ठगी, झूठा दिवालियापन, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी तथा फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से नौकरी या प्रवेश से संबंधित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई हो सकेगी। साथ ही, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा या विक्रय, स्टाम्प एवं पंजीयन अनियमितताएं, फर्जी कंपनियों का गठन, सहकारी समितियों में घोटाले जैसे आर्थिक अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सकेगा और अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि यह निदेशालय वाणिज्यिक कर, आबकारी, परिवहन, पंजीयन एवं मुद्रांक, खनिज सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर राजस्व लीकेज पर निगरानी रखेगा तथा टैक्स चोरी को रोकेगा।

मेघालय में एचआईवी के सबसे ज्यादा मामले, 10 हजार से ज्यादा लोग करा रहे इलाज

एजेंसी

शिलांग । मेघालय में जनवरी 2026 तक एचआईवी से पीड़ित 10,293 से ज्यादा लोग एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) ले रहे हैं। राज्य विधानसभा को यह जानकारी दी गई। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के विधायक मेहताब चांदी ए संगमा के गाम्बेग्रे से उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, स्वास्थ्य मंत्री वैलादमिकी शायला ने कहा कि पिछले दस सालों में राज्य में एचआईवी/एड्स से जुड़ी मौतें 749 तक पहुंच गई हैं। ईस्ट खासी हिल्स में सबसे ज्यादा 435 मौतें हुईं, इसके बाद वेस्ट जैंतिया हिल्स में 123 और ईस्ट जैंतिया हिल्स में 90 मौतें हुईं। दूसरे जिलों में तुलना में कम मौतें हुईं। मंत्री ने यह साफ किया कि कोई भी मौत सीधे तौर पर एचआईवी/एड्स की वजह से नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि बताई गई सभी मौतें मौके के इन्फेक्शन की वजह से हुईं, और किसी भी मौत का सीधा कारण एचआईवी/एड्स नहीं बताया गया है। इन्फेक्शन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए मंत्री ने कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट को एचआईवी और एड्स (रोकथाम और कंट्रोल) एक्ट के तहत कानूनी और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एचआईवी स्टेटस गोपनीय रहना चाहिए, बिना सहमति के टेस्टिंग नहीं की जा सकती। साथ ही, मरीजों को दवाएं लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। टेस्टिंग और इलाज में बदनामी एक बड़ी रुकावट बनी हुई है। इन रुकावटों के बावजूद मंत्री ने कहा कि सरकार जल्दी पता लगाने और इलाज को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। मंत्री ने मेघालय में एचआईवी/एड्स के खतरनाक रूप से बढ़ने को रोकने के लिए पांच साल के मिशन-मोड प्रोग्राम को मंजूरी देने का क्रेडिट मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा और राज्य कैबिनेट को दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल के लिए 25 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं, जिसे अगले पांच सालों में टेस्टिंग सुविधाओं, मैनपावर और आउटरीच सेवाओं को बढ़ाने के लिए लागू किया जाएगा। वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी (वीपीपी) के विधायक अर्देंट बसियावमोइट के एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि सरकार कम्युनिटी संस्थाओं के साथ मिलकर इस बीमारी से युद्ध स्तर पर लड़ने के लिए कमिटेड है। उन्होंने बताया कि एचआईवी/एड्स पर एक असेंबली फोरम पहले ही बनाया जा चुका है और विधायकों ने मिलकर एचआईवी से पीड़ित लोगों की मदद के लिए एक गाड़ी डोनेट की है।

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया।

इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

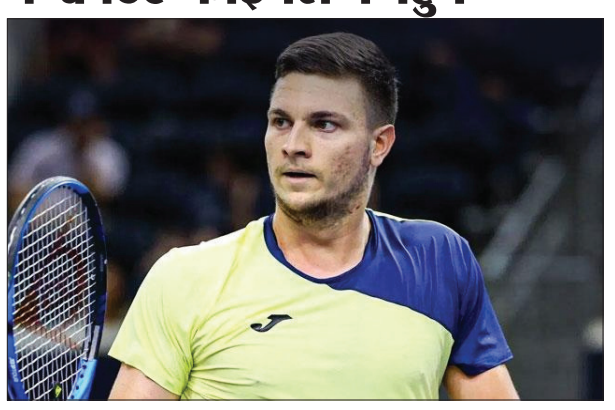

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोस्ड गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रुक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट

में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है। टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है। दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है। उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था। दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी। मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-। कर दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ। एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया। इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी। एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान

मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद खिचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट

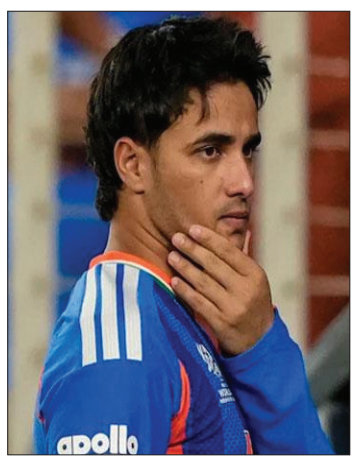

का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी जिम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

‘वाराणसी’ को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म ‘द ब्लफ’ को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘वाराणसी’ को लेकर काफी उत्साहित हैं।

प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका ‘वाराणसी’ को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ ‘द ब्लफ’ के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने ‘वाराणसी’ को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि ‘वाराणसी’ उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित ‘वाराणसी’ की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। ‘वाराणसी’ 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर;

खुद को बताया धनुष की बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म ‘दो दीवाने सहर में’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है। बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चर्चाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, ‘अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।’ मैंने कहा, ‘क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?’ उन्होंने पूछा, ‘लड़का कहां है?’ मैंने कहा, ‘बिल्कुल - लड़का कहां है?’ अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए। पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है। वरना कुछ भी काम नहीं करता। आपको एक-दूसरे से जुड़ना होगा। परिवारों की सहमति भी जरूरी है। शादी सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच नहीं होती, यह दो परिवारों के बीच होती है। अगर सभी सहमत हैं, तो फिर शादी क्यों नहीं?

मृणाल ने की धनुष की तारीफ

पिछले कुछ वक्त से मृणाल का नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल लगातार इन खबरों को नकारती रही हैं। इस बीच पिछले दिनों एक इंटरव्यू में मृणाल ने धनुष की जमकर तारीफ की थी। खुद को धनुष की बड़ी फैन बनाते हुए मृणाल ने कहा, ‘रायन’, ‘मारी’, ‘रांझणा’, ‘कैप्टन मिलर’ और ‘असुरन’ जैसी फिल्में देखने के बाद मैं उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई हूं। मैं असुरन कई बार देख सकती हूं। वो एक इंस्टीट्यूट हैं। वो गीतकार, लेखक, डांसर, अभिनेता, निर्देशक, न जाने क्या-क्या हैं।

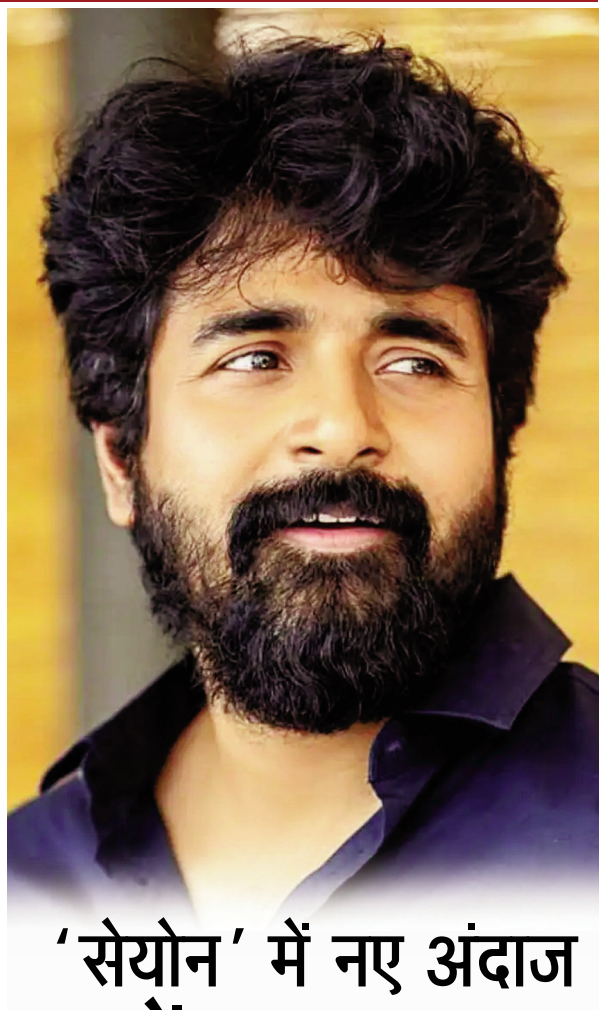

‘सेयोन’ में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

अभिनेता शिवकार्तिकेयन के 41वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म ‘सेयोन’ का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन के 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म ‘सेयोन’ का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

क्या है ‘सेयोन’ की कहानी

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ‘ये भगवान विरुमंडी हैं।’ एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ‘ओजी वापस आ गया है’। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

‘सेयोन’ के निर्माता हैं कमल हासन

फिल्म का नाम ‘सेयोन’ है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म ‘विरुमंडी’ (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया।

यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है।

तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तरीके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया?

एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है, वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक हैं

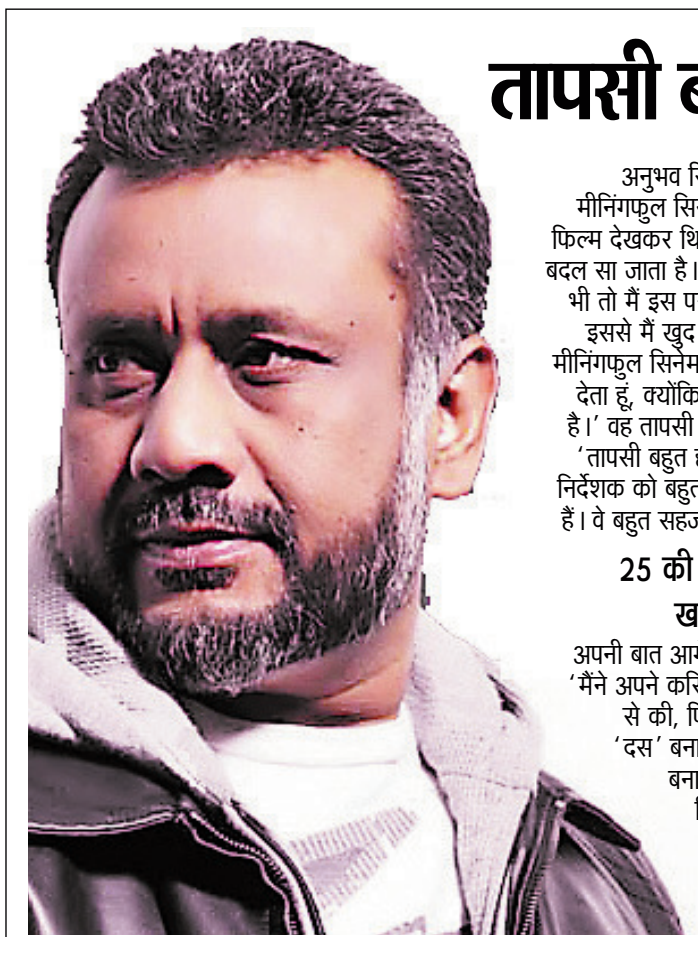

अनुभव सिन्हा उन फिल्मकारों में से हैं, जिन्हें मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा कहा जाता है। उनकी फिल्म देखकर थिएटर से निकलने के बाद अंदर कुछ बदल सा जाता है। इस पर वे कहते हैं, ‘अगर ऐसा है, भी तो मैं इस पर यकीन नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे मैं खुद को ज्यादा अहमियत देने लगूंगा। मैं मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा जैसे टैग को इग्नोर कर देता हूं, क्योंकि मेरा करियर काफी चलायमान रहा है।’ वह तापसी पन्नू की तारीफ करते हुए कहते हैं, ‘तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है। वो अपने निर्देशक को बहुत गौर से सुनती हैं, उसे फील करती हैं। वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक एक्ट्रेस हैं।’

25 की उम्र में फिल्ममेकर बनने का खयाल, ‘मुल्क’ ने बदली धारा

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अनुभव सिन्हा कहते हैं, ‘मैंने अपने करियर शुरुआत लव स्टोरी ‘तुम बिन’ से की, फिर आगे चलकर मैंने एक्शन फिल्म ‘दस’ बनाई। उसके बाद मैंने सुपरहीरो फिल्म बनाई और फिर मैं सोशियो पॉलिटिकल फिल्मों की तरफ आकर्षित हुआ। हो सकता है, मैं कल को कुछ और बनाने लगूं। देखिए, बचपन में तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं फिल्ममेकर बनूंगा। 25 साल की उम्र में मुझे पता चला कि मैं फिल्मकार बनना चाहता हूं। मेरी एक ऐसी यात्रा रही, जहां फिल्ममेकिंग करियर था, मगर ‘मुल्क’ जैसी फिल्म ने काफी हद तक मेरे करियर की धारा मोड़ी। ‘मुल्क’ की आवाज ने जिस तरह से लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, उसी ने मुझे इस विधा की ओर आकर्षित किया। मेरे करियर में हर जॉनर की 5-6 साल की जर्नी रही, मगर सोशियो पॉलिटिकल जॉनर में मैं सबसे ज्यादा रुक गया। ये सफर दस साल से चला आ रहा है। यहां मेरा कंफर्ट जोन सबसे ज्यादा है।’

हमें बच्चों से वो बात करनी होंगी, बेटे को मर्द होने का फर्क समझाना होगा

हाल ही बच्चों के एक समूह द्वारा एक बच्ची की बलात्कार की खबर ने लोगों को हिलाकर रख दिया था। इस पर वह कहते हैं, ‘ये वो बच्चे हैं, जिन्हें फिजिकल इंटिमेसी का सही अर्थ भी पता नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमारी अपने बच्चों से कुछ बातचीतें रह गई हैं। हमें अपने बच्चों से और ज्यादा बात करने की जरूरत है। खास तौर पर अपने बेटों से। उन्हें एक मर्द होने का फर्क समझना होगा। उन्हें अपने अधिकार और ख्वाहिशों की सीमा मालूम होनी चाहिए, क्योंकि अपराध तभी शुरू होता है, जब आप अपनी ख्वाहिशों का दायरा लांघ जाते हैं।’

मर्द के लिए औरत की तरह फील करना मुश्किल है

‘अस्सी’ के बारे में वह कहते हैं, ‘इस फिल्म में मैं मानसिक रूप से बहुत खर्च हुआ हूं। मुझे औरत बनना पड़ता है। बहुत मुश्किल होता है एक मर्द के लिए औरत की तरह फील करना। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं है। औरत होना बहुत मुश्किल है। ये कैसी विडंबना है कि जिसे हमने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा किरदार माना है, जाने -अनजाने हमने उसका इस्तेमाल ही किया है। चाहे मां हो, बहन हो या पत्नी हो। मैं अपने दोस्तों से कहता हूं कि सड़क पर एक बार औरत बनकर चलने की कोशिश करो। वो दुनिया ही अलग है। एक बच्ची को बचपन से ही बता दिया जाता है कि वो अलग है। वो स्वच्छंद हो ही नहीं पाती।’

छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते

अनुभव सिन्हा अच्छा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस की इसी बानगी में आगे बताते हैं, ‘अब जैसे मेरी ‘भीड़’ और ‘अफवाह’ को बहुत अच्छे रियूज मिले, मगर वो एक अलग दौर था। लोगों का थिएटर से नाता टूट गया था। वो फिल्में गलत दौर में आईं। छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते।

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।

इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है। धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।